RACE IAS

A Leading Institute For Civil Services Examinations

ANSWERS & EXPLANATIONS

GENERAL STUDIES

MODERN HISTORY

EXAM DATE : 18-11-2023

QUESTIONS BOOKLET NO. : 1865473901

1. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Debendranth tagore, father of Rabindranth tagore revitalised the Brahmo Samaj. He founded the Tatvabodhini Sabha to propogate Rajarammohun Roys ideas.
- Statement 2 is correct. It also helped to spread rational outlook among the intellectuals.
- Statement 3 is correct. Its organ Tatvabodhini Patrika promoted a systematic study of India's past in the Bengali language.

2. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct because Land revenue policies made land all over the country saleable, mortgageable and alienable. Cultivator was left to status of tenant at the mercy of zamindar or government whose land could be taken away if he failed to pay revenue at time.
- Statement 2 is not correct because even in Mahalwari system revenue was periodically revised.
- Statement 3 is correct. Mahalwari system was implemented mainly in ganga valley, north-western provinces, parts of central India and Punjab.

3. **(c)**

Exp: Rehnumai Mazdayasan Sabha was started by Naoroji Furdonji, Dadabhai Naoroji, SS Bengalee and others for religious refromation aming Parsis in Bombay.

4. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The revolt lacked a forward-looking programme, coherent ideology, a political perspective or a vision of the fututre society and economy.The revolt represented no societal alternative to be implemented after the capture of power.
- Statement 2 is correct. The rebels were short of modern weapons and other material of war. Most of the rebels fought with ancient weapons as pike and swords.
- Statement 3 is correct. The rebels lacked coordination and a central leadership. They did not have common plans. Sometimes they behaved more like a riotous mob than a disciplined army.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

1. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। रवीन्द्रनाथ टैगोर के पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रह्म समाज को पुनर्जीवित किया। उन्होंने राजा राम मोहन राय के विचारों का प्रचार करने के लिए तत्वबोधिनी सभी की स्थापना की थी।
- कथन 2 सही है। इसने बुद्धिजीवियों के बीच तार्किक दृष्टिकोण का प्रसार करने में भी सहायता की।
- कथन 3 सही है। इसके अंग तत्वबोधिनी पत्रिका ने बंगाली भाषा में भारतीय इतिहास के व्यवस्थित अध्ययन को बढ़ावा दिया।

2. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है क्योंकि भूराजस्व नीतियों ने सारे देश में भूमि को बिक्रय योग्य, गिरवी रखने योग्य और हस्तांतरणीय बना दिया। कृषक को जमींदार या सरकार की दया पर काश्तकार की स्थिति में छोड़ दिया। समय पर राजस्व का भुगतान करने में विफल रहने पर उसकी भूमि अधिग्रहीत की जा सकती थी।
- कथन 2 सही नहीं है क्योंकि महालवाड़ी बदोबस्त में भी राजस्व समय–समय पर संशोधित किया जाता था।
- कथन 3 सही है। महालवाड़ी बंदोबस्त मुख्य रूप से गंगा की घाटी, उत्तरी–पश्चिमी प्रांत, मध्य भारत और पंजाब के कुछ भागों में लागू किया गया था।

3. **(c)**

व्याख्या: पारसियों के धार्मिक सुधार के लिए नौरोजी फरदोनजी, दादाभाई नौरोजी, एस.एस. बंगाली और अन्य लोगों ने बंबई में रहनुमाई मजदायसान सभा की स्थापना की थी।

4. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। विद्रोह में दूरदर्शी कार्यक्रमों, सुसंगत विचारधारा, राजनीतिक परिप्रेक्ष्य या भावी समाज तथा अर्थव्यवस्था संबंधी दृष्टिकोण का अभाव था। इस विद्रोह ने सत्ता पर कब्जे के बाद लागू किए जाने वाले किसी सामाजिक विकल्प को प्रस्तुत नहीं किया।
- कथन 2 सही है। विद्रोहियों के पास आधुनिक हथियारों और अन्य युद्ध सामग्री की कमी थी। अधिकांश विद्रोहियों ने भाले और तलवार जैसे प्राचीन हथियारों से लड़ाई लड़ी।
- कथन 3 सही है। विद्रोहियों में समन्वय और केंद्रीय नेतृत्व का अभाव था। उनके पास साझी योजना नहीं थी। कभी–कभी वे अनुशासित सेना की बजाय उपद्रवी भीड़ जैसा व्यवहार करते थे।

5. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Often, religious and charismatic leaders messiahs emerged and promised divine intervention and an end to their suffering at the hands of the outsiders, and asked their fellow tribals to rise and rebel against foreign authority. Most of these leaders claimed to derive their authority from God. They also often claimed that they possessed magical powers, for example, the power to make the enemies bullets ineffective.
- Statement 2 is incorrect. Not all outsiders were attacked as enemies. Often there was no violence against the non-tribal poor, who worked in tribal villages in supportive economic roles, or who had social relations with the tribals such as telis, gwalas, lohars, carpenters, potters, weavers, washermen, barbers, drummers, and bonded labourers and domestic servants of the outsiders.
- Statement 3 is correct. Protest often took the form of spontaneous attacks on outsiders, looting their property and expelling them from their villages. Clashes with authorities were violent and tribals resorted to armed resistance as well.

6. **(a)**

Exp:

- Statement (a)-The modern educated Indians did not support the revolt as they were reppelled by the rebels' appeals to superstition and their opposition to progressive social measures. They mistakenly believed that the British rule would help India accomplish tasks of modernisation, while the rebels, led by zamindars old rulers and chieftains and other feudal elements would take the country backward.
- Statement (b), (c), (d) are incorrect.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

5. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। प्रायः, धार्मिक और करिश्माई नेता और मसीहा उभरे और दैवी हस्तक्षेप और बाहरी लोगों के हाथों उनकी पीड़ा के अंत का वादा किया और अपने साथी आदिवासियों से विदेशी सत्ता के विरूद्ध उठ खड़ा होने एवं विद्रोह करने के लिए कहते थे। इनमें से अधिकांश नेता ईश्वर से अपना अधिकार प्राप्त करने का दावा करते थे। वे प्रायः यह भी दावा करते थे कि उनके पास जादुई शक्तियां हैं, उदाहरण के लिए, दुश्मनों की गोलियां अप्रभावी बना देने की शक्ति।
- कथन 2 गलत है। सभी बाहरी लोगों पर शत्रु के रूप में हमला नहीं किया गया। प्रायः गैर आदिवासी गरीबों के विरूद्ध कोई हिंसा नहीं होती थी। ये लोग आदिवासी गांवों में पूरक आर्थिक भूमिकाओं में होते थे या इनका आदिवासियों के साथ सामाजिक संबंध होता था, जैसे तेली, ग्वाले, लोहार, बढ़ई, कुम्हार, बुनकर, धोबी, नाई वादक और बाहरी मजदूर और बाहरी लोगों के घरेलू नौकर आदि।
- कथन 3 सही है। विरोध प्रायः बाहरी लोगों पर स्वतः स्फूर्त हमले, उनकी संपत्ति की लूटपाट और आदिवासी गांवों से उन्हें खदेड़ने का रूप ले लेता था। अधिकारियों से टकराव हिंसक होता था और साथ ही आदिवासी सशस्त्र प्रतिरोध का भी सहारा लेते थे।

6. **(a)**

व्याख्या:

- कथन (a)- आधुनिक शिक्षित भारतीयों ने विद्रोह का समर्थन नहीं किया, क्योंकि वे अंधविश्वास के प्रति विद्रोहियों की अपीलों और प्रगतिशील सामाजिक उपायों के प्रति उनके विरोध के प्रतिरोधी थे। उनमें ऐसी भ्रांति थी कि ब्रिटिश शासन आधुनिकीकरण के कार्यों को पूरा करने में भारत की सहायता करेगा और जमींदारों, पुराने शासकों, सरदारों और अन्य सामंती तत्वों के नेतृत्व में कार्य कर रहे विद्रोही देश को पीछे ले जाएंगे।
- कथन (b), (c), (d) सही नहीं हैं।

7. **(b)**

Exp:

- The sikhs in the 18th century were organised into 12 misls or confederacies, which operated in different parts of the province. These misls fully cooperated with one another. They were originally based on the principle of quality with all members having an equal voice in deciding the affairs of the misl and in electing its chief and other officers. However, gradually the democratic and plebeian character of the misls disappeared and powerful feudal chiefs and zamindars dominated them.
- Ranjit Singh, who rose to prominence at the end of the 18th century, was the chief of Sukerchakia Misl.

8. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct: Lord Macaulay headed the first Law commission to codify Indian Laws.
- Statement 2 is incorrect: Charles wood rejected this theory and made government responsible for spreading of education.
- Statement 3 is correct: Lord William Bentinck and Warren Hastings enforced regulations prohibiting the female infanticide sternly.

9. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. It established six commissioners for the affairs of India, popularly known as the Board of Control, including two Cabinet ministers. The board of Control was to guide and control the work of the Court of Directors and the Government of India.
- Statement 2 is correct. The Act clearly subordinated the Bombay and Madras Presidencies to Bengal in all questions of war, diplomacy and revenues.
- Statement 3 is incorrect because company retained it's monopoly of both India and china in this act, this statement is true for Charter Act of 1813

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

7. **(b)**

व्याख्या:

- 18वीं सदी में सिख 12 मिसलो या राज्य संघों में संगठित थे, जो प्रांत के विभिन्न भागों में कार्यरत थे। ये मिस्लें पूर्णरूपेण एक–दूसरे के साथ सहयोग करती थीं। वे मूल रूप से मिसलों के प्रकरणों पर निर्णय लेने और उसके प्रमुख और अन्य अधिकारियों के चुनाव में सभी सदस्यों के समान अधिकार के साथ समानता के सिद्धांत पर आधारित थे। हालांकि, धीरे–धीरे मिसलो का लोकतांत्रिक और जनमत आधारित चरित्र गायब हो गया और शक्तिशाली सामंती प्रमुखों और जमींदार का उनमें बोलबाला हो गया।
- 18वीं सदी के अंत में प्रमुखता प्राप्त करने वाले रणजीत सिंह, सुकरचकिया मिसल के प्रमुख थे।

8. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: लार्ड मैकाले ने भारतीय कानूनों को संहिताबद्ध करने वाले पहले विधि आयोग की अध्यक्षता की थी।
- कथन 2 गलत है: चार्ल्स वुड ने इस सिद्धांत को अस्वीकार कर दिया और शिक्षा के प्रसार के लिए सरकार को उत्तरदायी बनाया।
- कथन 3 सही है: लार्ड विलियम बेंटिक और वारेन हेस्टिंग्स ने कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने वाले विनियमों को लागू किया।

9. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। इसने भारतीय मामलों के लिए छह आयुक्तों की नियुक्ति की जिन्हें, लोकप्रिय रूप से बोर्ड ऑफ कंट्रोल के रूप में जाना जाता था जिसमें दो कैबिनेट मंत्री भी सम्मिलित थे। बोर्ड ऑफ कंट्रोल को निदेशक मंडल और भारत सरकार के कामकाज का मार्गदर्शन और नियंत्रण करना था।
- कथन 2 सही है। इस अधिनियम ने स्पष्ट रूप से युद्ध, कूटनीति और राजस्व के सभी प्रकरणों में बंबई और मद्रास प्रेसीडेंसियों को बंगाल का अधीनस्थ बना दिया।
- कथन 3 गलत है क्योंकि कंपनी ने इस अधिनियम में भारत और चीन पर एकाधिकार बनाए रखा था, यह कथन 1813 के चार्टर अधिनियम के लिए सही है।

10. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Company discovered that expansion through war was very costly and it is increasing the debt, so they checked this policy.
- Statement 2 is correct: When Napoleon was becoming the threat in Europe, Britain economic condition was not prudent.
- Statement 3 is not correct. It was the reason to discontinue annexation after revolt of 1857.

11. **(c)**

Exp:

- The correct pair are as follows
  (1) Lucknow -Begum Hazrat Mahal
  (2) Bareilly- Khan bahadur
  (3) Faizabad - Maulvi Ahmadullah
  (4) Delhi -General Bakht Khan
- Kunwar Singh was from Bihar.

12. **(a)**

Exp:

- Atmiya Sabha was formed by Rammohun Roy in 1814.
- Brahmo Sabha was founded by Rammohun Roy in 1828.
- Debendra Nath Tagore stated the Tatvabodhini Sabha in 1839 to organize systematic study of India's past in Bengali language.

13. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct: In Santhal Uprising Sido and Kanhu were the principal rebel leaders.
- Statement 2 is correct: The Santhals lived in the area between Bhagalpur and Rajmahal, known as Damani-koh.
- Statement 3 is correct: The struggle was against the exploitation carried out by zamindars, Money lenders which they term Dikus (Out siders) and British. It decided to raise the banner of revolt, get rid of the outsiders and their colonial masters once and for all.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

10. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। कंपनी ने पाया कि युद्ध के माध्यम से विस्तार बहुत महंगा है और इससे ऋण बढ़ता जा रहा था, इसलिए उन्होंने इस नीति को रोक दिया।
- कथन 2 सही है: जब नेपोलियन यूरोप में खतरा बन रहा था, तब ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति भी सही नहीं थी।
- कथन 3 सही नहीं है। 1857 के विद्रोह के बाद विलय बंद करने का यही कारण था।

11. **(c)**

व्याख्या:

- सही युग्म इस प्रकार है
  (1) लखनऊ – बेगम हजरत महल
  (2) बरेली – खान बहादुर
  (3) फैजाबाद – मौलवी अहमदुल्ला
  (4) दिल्ली – जनरल बख्त खान
- कुंवर सिंह बिहार से थे।

12. **(a)**

व्याख्या:

- 1814 में राममोहन राय द्वारा आत्मीय सभा का गठन किया गया था।
- 1828 में राममोहन राय द्वारा ब्रह्म सभा की स्थापना की गई थी।
- देवेन्द्रनाथ ठाकुर ने बंगाली भाषा में भारतीय इतिहास का व्यवस्थित अध्ययन उपलब्ध कराने के लिए 1839 में तत्वबोधिनी सभी की स्थापना की थी।

13. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: संथाल विद्रोह में सिद्धु और कान्हू प्रमुख विद्रोही नेता थे।
- कथन 2 सही है: संथाल दमन–ए–कोह के रूप में ज्ञात भागलपुर और राजमहल के बीच के क्षेत्र में रहते थे।
- कथन 3 सही है: यह संघर्ष जमींदारों, साहूकारों, जिन्हें वे दिकू (बाहरी लोग) कहते थे, और अंग्रेजों के विरूद्ध था। उन्होंने बाहरी लोगों और उनके औपनिवेशिक स्वामियों से एक बार और सदैव के लिए छुटकारा पाने के लिए विद्रोह का झंडा उठाने का निर्णय किया।

14. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is correct as the mughal administrative & revenue system was introduced by Haider Ali.
- Statement 2 is incorrect because Haider ali is not responcible for these types of changes in the state of Mysore. These changes of introduction of new calender, new system of coinage & new scales of weight & measures are brought by Tipu Sultan.
- Statement 3 is correct: Haider Ali established a modern arsenel in Dindigal with help of french experts to prepare his army in modern way.

15. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The zamindars and revenue collectors were converted into landlords. They were not only only to act as agnts of the govenment in collecting land revenue from ryot but also became the owners of entire lands in theire zamindaris
- Statement 2 is correct. Their right of ownership was made herediatry and transferable.
- Statement 3 is incorrect. The land revenue to be paid by the peasants to zamindars was not fixed. The zamindars were to give 10/11th of the rental they derived from the peasentry to the state, keeping only 1/11th for themselves. But the sums to be paid by them to the state as land revenue were fixed in perpetuity.

16. **(a)**

Exp: The British realised that apart from the collection of revenue, it could also grow the crops that would be beneficial for Europe. By the late eighteenth century the Company tried its best to extend the cultivation of opium and indigo.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

14. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है क्योंकि हैदर अली ने मुगल प्रशासनिक व राजस्व प्रणाली आरंभ किया था।
- कथन 2 गलत है क्योंकि हैदर अली मैसूर राज्य में इस प्रकार के परिवर्तनों के लिए उत्तरदायी नहीं था। नवीन पंचांग, सिक्कों की नई प्रणाली और माप–तौल के नए पैमानों के प्रचलन जैसे पवित्तन टीपू सुल्तान द्वारा किए गए थे।
- कथन 3 सही है: हैदर अली ने अपनी सेना आधुनिक तरीके से तैयार करने के लिए फ्रांसीसी विशेषज्ञों की सहायता से डिंडिगुल में आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना की थी।

15. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। जमींदारों और राजस्व संग्राहकों को भूस्वामी में परिवर्तित कर दिया गया। उन्हें ने केवल रैयतों से भू–राजस्व एकत्र करने में सरकार के एजेंट के रूप में कार्य करना था, बल्कि वे अपनी जमींदारी में संपूर्ण भूमि के स्वामी भी बन गए।
- कथन 2 सही है। स्वामित्व का उनका अधिकार वंशानुगत और हस्तांतरणीय बना दिया गया।
- कथन 3 गलत है। जमींदार को किसानों द्वारा भुगतान किया जाने वाला राजस्व निश्चित नहीं था। जमींदार को किसानों से प्राप्त होने वाले लगान का 10/11वां भाग राज्य को देना था, अपने लिए केवल 1/11वां भाग ही रखना था। लेकिन भूराजस्व के रूप में राज्य को उनके द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि सदा के लिए निश्चित कर दी गई थी।

16. **(a)**

व्याख्या: अंग्रेजों को एहसास हुआ कि राजस्व संग्रह के अलावा, वह ऐसी फसलें भी उगा सकते हैं जो यूरोप के लिए फायदेमंद होंगी। अठारहवीं सदी के अंत तक कंपनी ने अफ़ीम और नील की खेती को बढ़ाने की पूरी कोशिश की।

17. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect. They often bore the same character not because they represented national or common efforts but because they represented common conditions though separated in time and space.
- Statement 2 is correct. These almost continuous rebellions were massive in their totality, but were wholly local in their spread and isolated from each other. They were the result of local causes and grievances, and were also localized in their effects.
- Statement 3 is incorrect. Their resistance represented no societal alternative. It was centuries-old in form and ideological and cultural content. Its basic objective was to restore earlier forms of rule and social relations.

18. **(a)**

Exp:

- Santhal rebellion in the area between Bhagalpur and Rajmahal, begain in 1854, predates the revolt of 1857.
- Indigo revolt outbreak around Bengal and Bihar region in 1859-60. And Mappila outbreak at Malabar costal region in 1862-1880.

19. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct: The indigo strikes and disturbances flared up in 1860s. Factory after factory was attacked by hunderds of peasants. In many cases, the efforts of the police to intervene and arrest peasant leaders were met with an attack on policemen and police posts.
- Statement 2 is correct: They refused to pay the enhanced rents. The ryots went on a rent strike.
- Statement 3 is incorrect: Boycott of foreign goods was not applied.
- Statement 4 is correct: Peasants gradually learnt to use the legal machinery to enforce their rights. They joined together and raised funds to fight court cases filed against them, and they initiated legal action on their own against the planters.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

17. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है। वे प्रायः एक ही चरित्र इसलिए नहीं धारण कर लेते थे, क्योंकि वे राष्ट्रीय या साझा प्रयासों का प्रतिनिधित्व करते थे बल्कि इसलिए कि वे साझी स्थितियों,–(हालांकि समय और स्थान में अलग), का प्रतिनिधित्व करते थे।
- कथन 2 सही है। लगभग अविच्छिन्न ये विद्रोह अपनी समग्रता में व्यापक थे, लेकिन अपने प्रसार में पूरी तरह से स्थानीय और एक दूसरे से अलग थे। ये विद्रोह स्थानीय कारणों और शिकायतों के परिणाम थे, और साथ ही अपने प्रभावों में भी स्थानीय थे।
- कथन 3 गलत है। उनका प्रतिरोध किसी सामाजिक विकल्प का प्रतिनिधित्व नहीं करता था। यह स्वरूप और वैचारिक एवं सांस्कृतिक सामग्री में सदियों पुराना था। इसका मूल उद्देश्य शासन और सामाजिक संबंधों का पहले का रूप बहाल करना था।

18. **(a)**

व्याख्या:

- भागलपुर और राजमहल के बीच के क्षेत्र में संथाल विद्रोह 1854 में आरंभ हुआ जो, 1857 के विद्रोह पूर्वगामी था।
- 1859–60 में बंगाल और बिहार के आसपास के क्षेत्रों में नील विद्रोह फैला। 1862–1880 में मालाबार तटीय क्षेत्र में मोप्पलाओं का विद्रोह हुआ।

19. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: नील विद्रोह 1860 के दशक में उपजा। एक कारखाने के बाद दूसरे कारखाने पर सैकड़ों किसानों द्वारा हमला किया गया। कई प्रकरणों में, हस्तक्षेप और किसान नेताओं की गिरफ्तारी करने के पुलिस के प्रयासों के परिणामस्वरूप पुलिसकर्मियों और पुलिस चौकियों पर हमले हुए।
- कथन 2 सही है: उन्होंने बढ़े हुए लगान का भुगतान करने से मना कर दिया। रैयतें लगान हड़ताल पर चली गईं।
- कथन 3 गलत है: विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार लागू नहीं किया गया था।
- कथन 4 सही है: किसानों ने धीरे–धीरे अपने अधिकारों को लागू कराने के लिए कानूनी प्रणाली का उपयोग करना सीख लिया। वे सब एक साथ संगठित हो गए और अपने विरूद्ध दायर अदालती मुकदमें लड़ने के लिए राशि जुटाने लगे, और उन्होंने बागान मालिकों के विरूद्ध अपने दम पर कानूनी कार्रवाई आरंभ की।

20. **(c)**

Exp: Chauth and Sardeshmukhi were the taxes imposed by Marathas. It was popularized by Shivaji who called himself the Sardeshmukh.

21. **(c)**

Exp:

- Pair 1 is incorrect. Jyotiba Phule stated a girl's school in Poona. Bethune schools for girl's education are associated with Ishwar Chandra Vidyasagar.
- Pair 2 is correct. Dadabhai Naroji was one of the founders of the Parsi Law Association which agitated for the grant of legal status to women and for uniform laws of inheritence and marriage for Parsis.
- Pair 3 is correct. Bal Shastri Jambekar was one of the first refomers in Bombay. He attacked Brahmanical orthodoxy and tried to reform popular Hinduism

22. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is not correct. The Mughal empire under Aurangzeb was more than a match for petty forces of East India Company. They comprehensively defeated British in 1686 when English had declared war on the emperor.
- Statement 2 is correct. Mughal authorities authorities realised that foreign trade carried on by the company benefitted Indian artisans and merchants and thereby enriched state treasury.
- Statement is correct. The English, though weak on land, were, because of their naval supremacy, capable of completely ruining Indian trade and shipping to Iran, West Asia, Northern and Eastern Africa and East Asia.

General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations
General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

20. **(c)**

व्याख्या: चौथ और सरदेशमुखी मराठों द्वारा आरोपित कर थे। इसे शिवाजी द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था जो स्वयं को सरदेशमुख कहते थे।

21. **(c)**

व्याख्या:

- युग्म 1 गलत है। ज्योतिबा फले ने पूना में एक बालिका विद्यालय आरंभ किया था। बालिका शिक्षा के लिए बेथुन विद्यालय ईश्वर चन्द्र विद्यासागर से जुड़े हैं।
- युग्म 2 सही है। दादाभाई नौरोजी पारसी कानून संघ के संस्थापकों में से एक थे जिन्होंने महिलाओं के लिए कानूनी दर्जा और पारसियों के लिए उत्तराधिकार एवं शादी के एक समान कानून बनाने के लिए प्रेरित किया।
- युग्म 3 सही है। बाल शास्त्री जाम्बेकर बॉम्बे के पहले सुधारकों में से एक थे। उन्होंने ब्राह्मण कट्टरपंथ पर हमला किया और लोकप्रिय हिन्दू धर्म में सुधार करने की कोशिश की।

22. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही नहीं है। औरंगजेब के शासन काल में मुग़ल साम्राजय ईस्ट इंडिया कंपनी की क्षुद्र शक्ति से कहीं अधिक था। जब अंग्रेजों ने 1686 में सम्राट के विरूद्ध युद्ध की घोषणा की थी, तब अंग्रेजों को बुरी तरह हराया था।
- कथन 2 सही है। मुग़ल अधिकारियों ने यह समझा कि कंपनी द्वारा किए जाने वाले विदेशी व्यापारा से भारतीय शिल्पकारों और व्यापारियों को लाभ हो रहा है और इससे राज्य के खजाने में वृद्धि हो रही है।
- कथन 3 सही है। जमीनी ताकत में कमजोर होने के बावजूद अंग्रेज अपनी नौसैनिक शक्ति की वजह से भारतीय व्यापार और शिपिंग को ईरान, पश्चिम एशिया, उत्तरी और पूर्वी अफ्रीका और पूर्व एशिया में पूरी तरह से बर्बाद करने में सक्षम थे।

23. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Nawabs did not have any exposure to external world and they were not aware of English exploits in Africa. They failed to understand that East India company was no mere company of traders.
- Statement 2 is correct. Nawabs completely ignored the modernization of their army.
- Statement 3 is also correct. Corruption was one weak point which English exploited in their favour.

24. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The Derozians attacked old and decadent customs, rites and traditions. They were passionate advoactes of womens rights and advocated education for them.
- Statement 2 is incorrect. One of biggest flaws of this movement was they did not take up peasant cause but there was no other section which could support their advanced ideas. They remained ideal and failed to understand the real Indian situation.
- Statement 3 is correct. They carried on public agitation on public questions such as revision of Company's Charter, the freedom of press and better treatment for Indian labour in British colonies abroad.

25. **(c)**

Exp: After the Battle of Buxar, in 1764, the Company, which till now had purely trading functions, obtained the diwani (i.e., rights over revenue and civil justice) of Bengal, Bihar and Orissa. From 1765-72, there was dual government under which Indian officials were allowed to funtion as before but under the overall control of British Governor and British Officials.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

23. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। बाहरी दुनिया के साथ नवाबों का कोई संपर्क नहीं था और वे लोग अफ्रीका में अंग्रेजों के शोषण से अवगत नहीं थे। वे यह समझने में विफल रहे कि ईस्ट इंडिया कंपनी सिर्फ व्यापारियों की कंपनी नहीं है।
- कथन 2 सही है। नवाबों ने अपनी सेना के आधुनिकीकरण को नजरअंदाज कर दिया।
- कथन 3 भी सही है। भ्रष्टाचार एक ऐसी कमजोरी थी जिसे अंग्रेजों ने अपने पक्ष में इस्तेमाल करके शोषण किया।

24. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। डेरोजिओ के अनुयायियों ने पुराने और ह्रासोन्मुख रिवाजों, कृत्यों और परम्पराओं की घोर आलोचना की। उन लोगों ने महिलाओं के अधिकारों और उनके लिए शिक्षा की वकालत तहे दिल से की।
- कथन 2 गलत है। इस आन्दोलन की सबसे बड़ी खामियों में से एक खामी यह थी कि उन्होंने किसानों के हितों को ध्यान में नहीं रखा। फिर भी तात्कालिक समाज का कोई ऐसा वर्ग नहीं था जो उनके उन्नत विचारों का समर्थन कर सके। वे आदर्शवादी बने रहे और वास्तविक भारतीय परिस्थितियों को समझने में विफल रहे।
- कथन 3 सही है। वे जनता से जुड़े प्रश्नों पर जन आंदोलन करते रहे, जैसे कंपनी के चार्टर में संशोधन, प्रेस की स्वतंत्रता और विदेश स्थित ब्रिटिश उपनिवेशों में भारतीय मजदूरों के साथ बेहतर व्यवहार।

25. **(c)**

व्याख्या: 1764 में बक्सर के युद्ध के बाद, अब तक विशुद्ध रूप से व्यापारिक कार्यों में लगी कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी (अर्थात्, राजस्व और नागरिक न्याय पर अधिकार) प्राप्त हुआ। 1765–72 के दौरान द्वैध/दोहरी सरकार अस्तित्व में थी जिसके तहत भारतीय अधिकारियों को पूर्व की भांति ही कार्य करने की अनुमति थी, लेकिन उन्हें ब्रिटिश गवर्नर और ब्रिटिश अधिकारियों के नियंत्रण में काम करना पड़ा।

26. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect: Any of the three revenue policies failed to improve the condition of agriculture. The revenue collected in all the three settlements was high and peasants were left with nothing to invest in the agriculture.
- Statement 2 is correct: British policies increased the population pressure on agriculture. According to Census Reports, between 1901 and 1941 alone the percentage of population dependent on agriculture increased from 63.7 % to 70%. This increasing pressure was one of the major causes of extreme poverty under the British rule.
- Statement 3 is correct: Commercialization of agriculture has further led to the exploitation of cultivators in the hands of money lenders and merchants. Poor peasants were forced to sell the produce just after the harvest and at whatever price they could get as they had to meet in time the demands of the government, the landlord and the money lenders.

27. **(b)**

Exp: Poligars were landed military magnates in South India. They were territorial administrative and military governors appointed by the Nayaka rulers of South India (notably Vijayanagar Empire, Madurai Nayakas and the Kakatiya dynasty) during 16th 18th centuries.

28. **(c)**

Exp:

- Statement (a) is incorrect: Most of the industries were owned by Britishers.
- Statement (b) is incorrect: Industrialization did not have much impact on poverty alleviation.
- Statement (c) is correct: In the initial stage industrial progress was confined to cotton and jute.

General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

26. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: तीनों में से कोई भी भू–राजस्व नीति कृषि की हालत में सुधार लाने में विफल रही। इन तीनों व्यवस्थाओं में एकत्र किया जाने वाला राजस्व बहुत अधिक था और किसानों के पास कृषि में निवेश करने के लिए कुछ भी नहीं बच पाता था।
- कथन 2 सही है: ब्रिटिश नीतियों ने कृषि पर जनसंख्या के दबाव को बढ़ा दिया। जनगणना की रिपोर्ट के अनुसार, 1901 और 1941 के बीच कृषि पर निर्भर जनसंख्या का प्रतिशत 63.7 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत हो गया। यह बढ़ता दबाव, अंग्रेजों के शासनकाल में अत्यधिक गरीबी बढ़ने के मुख्य कारणों में से एक था।
- कथन 3 सही है: कृषि के वाणिज्यीकरण के कारण साहूकारों और व्यापारियों के हाथों किसानों का शोषण किया जाने लगा। गरीब किसानों को फसल की कटाई के बाद ही अपनी उपज को अनाप–शनाप कीमत पर बेचने के लिए मजबूर किया जाता था और जो कीमत उन्हें मिल पाती थी, उससे उन्हें सरकार, जमींदार और साहूकारों की मांग को समय पर पूरा करना पड़ता था।

27. **(b)**

व्याख्या: पोलिगर, दक्षिण भारत के संपत्तिवान और सैन्य रूप से प्रभावशाली लोग थे, दूसरे शब्दों में कहें तो वे वस्तुतः हथियारबंद दस्ते रखने वाले जमींदार थे। वे 16वीं से 18वीं सदी के दौरान दक्षिण भारत (खास तौर पर विजयनगर साम्राज्य, मदुरै नायक और काकतीय राजवंश) के नायक शासकों द्वारा नियुक्त किए गए प्रादेशिक प्रशासनिक और सैन्य गवर्नर थे।

28. **(c)**

व्याख्या:

- विकल्प (a) गलत है: अधिकांश उद्योगों पर अंग्रेजों का स्वामित्व था।
- विकल्प (b) गलत है: गरीबी उन्मूलन पर औद्योगीकरण का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा था।
- विकल्प (c) सही है: आरंभिक चरण में औद्योगिक प्रगति कपास और जूट तक ही सीमित थी।

29. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Private contractors who built the railways were offered guaranteed return of 5 percent.
- Statement 2 is not correct because it was built predominantely by British capital.

30. **(c)**

Exp: Many native rules such as Nizam of Hyderabad, Scindia of Gwalior and Man singh remained loyal towards British during the revolt. Kunwar Singh of Jagdishpur participated in the revolt. He was one of the important leaders of the revolt of 1857.

31. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Many intellectuals realized that modern western ideas of humanity, reason and scientific outlook were needed to be imbibed in Indian society for its regeneration.
- Statement 2 is correct. Indians like Raja Ram Mohan Roy realized that India's culture had weakness which allowed handful of Britishers to subjugate our country. Thus India's emancipation lay in socio religious reforms.

32. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The earlier nationalist saw foreign capital as an unmitigated evil which did not develop a country but exploited and impoverished it. They further argued that instead of encouraging and augmenting Indian capital foreign capital replaced and suppressed it, led to the drain of capital from India and further strengthened the British hold over the Indian economy.
- Statement 2 is incorrect. The early nationalists accepted with remarkable unanimity that the complete economic transformation of the country on the basis of modem technology and capitalist enterprise was the primary goal of all their economic policies.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

29. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। रेलवे का निर्माण करने वाले निजी ठेकेदारों को 5 प्रतिशत का गारंटीयुक्त रिटर्न प्रदान किया जाता था।
- कथन 2 सही नहीं है क्योंकि इसका निर्माण मुख्य रूप से ब्रिटिश पूँजी ने किया गया था।

30. **(c)**

व्याख्या: कई स्वदेशी शासक जैसे हैदराबाद के निज़ाम, ग्वालियर के सिंधिया और मान सिंह इस विद्रोह के दौरान अंग्रेजों के वफादार बने रहे। जगदीशपुर के कुंवर सिंह ने इस विद्रोह में भाग लिया था। वह 1857 की क्रांति के महत्वपूर्ण नायकों में से एक थे।

31. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। कई बुद्धिजीवियों को समझ में आया कि भारतीय समाज के पुनरूत्थान के लिए उसमें मानवता, तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली आधुनिक पश्चिमी विचारधारा को समाहित करना जरूरी है।
- कथन 2 सही है। राजा राम मोहन रॉय जैसे भारतीयों को समझ में आया कि भारत की संस्कृति की वर्तमान कमियों के कारण मुट्ठी भर अंग्रेज हमारे देश पर कब्ज़ा करने में कामयाब हो गए। इसलिए भारत का उद्धार उसके सामाजिक धार्मिक सुधार में निहित है।

32. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। आरंभिक राष्ट्रवादी विदेशी पूँजी को बहुत बड़ी बुराई के रूप में देखते थे, जिसने देश का विकास नहीं किया, बल्कि उसका शोषण किया और उसे गरीब बना दिया। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि भारतीय पूँजी को प्रोत्साहित करने और बढ़ाने के बजाय विदेशी पूँजी ने उसकी जगह ले ली और उसे दबा दिया जिसके फलस्वरूप भारत से पूँजी बाहर जाने लगी और भारतीय अर्थव्यवस्था पर अंग्रेजों की पकड़ और मजबूत होती चली गई।
- कथन 2 गलत है। आरंभिक राष्ट्रवादियों ने उल्लेखनीय तरीके से सर्वसम्मति से यह स्वीकार किया कि आधुनिक प्रौद्योगिकी और पूंजीवादी उद्यम के आधार पर देश का सम्पूर्ण आर्थिक रूपांतरण उनकी सभी आर्थिक नीतियों का मुख्य लक्ष्य था।

33. **(d)**

Exp: Economic critique of colonialism was the most important contribution of early nationalists during their time. The secret of British power in India was not only in physical force but also in moral force. To challenge this ideological hegmony of colonial rule in the minds of people, earlier nationalist provided "Economic critique of Colonialism ". By this they sowed the seeds of nationalism well and deep inside the minds Indian people. These themes of drain theory became the staple of nationalist political agitation during Gandhian era.

34. **(a)**

Exp:

- Statements 1 is correct because after death of Aurangzeb Mughal ruler were not as capable to hold control over India specially in Southern peninsula.
- Statement 2 is correct. The Marathas chiefs used to invade Hyderabad and the rest of south India for collecting chauth. These raids resulted in politically unsettled conditions and administrative disorganisation.
- Statement 3 is incorrect because French were the biggest rival of Britishers in India and they fought 3 Carnatic wars with Britishers.

35. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect: Its aims were limited to the redressal of the immediate grievances of the peasants and the enforcement of the existing legal rights and norms. It was not aimed at uprooting the zamindari system.
- Statement 2 is incorrect: Hardly any zamindar or zamindar's agent was killed or seriously injured. The revolt was carried out mainly through legal means.
- Statement 3 is correct: The Government also promised to undertake legislation to protect the tenants from the worst aspects of zamindari oppression, a promise it fulfilled however imperfectly in 1885 when the Bengal Tenancy Act was passed.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

33. **(d)**

व्याख्या: उपनिवेशवाद की आर्थिक आलोचना वस्तुतः आरंभिक राष्ट्रवादियों के समय में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान था। भारत में ब्रिटिश सत्ता का रहस्य सिर्फ भौतिक बल में ही नहीं बल्कि नैतिक बल में भी निहित था। लोगों के दिमाग में औपनिवेशिक शासन के इस वैचारिक आधिपत्य को चुनौती देने के लिए आरंभिक राष्ट्रवादियों ने "उपनिवेशवाद की आर्थिक आलोचना" प्रस्तुत की। इसके माध्यम से उन्होंने भारतीय लोगों के दिमाग में अच्छी तरह और काफी गहराई से राष्ट्रवाद की बीज बोया। "निकास सिद्धांत" के ये विषय गांधी युग के दौरान राष्ट्रवादी राजनीतिक आन्दोलन के प्रधान अंग बने।

34. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है क्योंकि औरंगजेब की मौत के बाद मुग़ल शासक भारत पर, विशेष रूप से दक्षिणी प्रायद्वीप पर नियंत्रण रखने में उतने सक्षम नहीं थे।
- कथन 2 सही है। मराठा सरदार चौथ वसूल करने के लिए हैदराबाद और दक्षिण भारत के बाकी राज्यों पर हमला करते थे। इन हमलों के परिणामस्वरूप राजनीतिक उथल–पुथल और प्रशासनिक अव्यवस्था फ़ैल गई।
- कथन 3 गलत है क्योंकि फ्रांसीसी भारत में अंग्रेजों के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी थे और उन लोगों ने अंग्रेजों के साथ कर्नाटक के तीनों युद्धों को लड़ा।

35. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: इसका उद्देश्य किसानों की तत्कालीन शिकायतों के निवारण और मौजूदा कानूनी अधिकारों और नियमों के प्रवर्तन तक ही सीमित था। यह जमींदारी व्यवस्था के उन्मूलन के उद्देश्य से नहीं किया गया था।
- कथन 2 गलत है: शायद ही किसी जमींदार या जमींदारों के एजेंट की मौत हुयी हो या वे गंभीर रूप से घायल हुए हों। विद्रोह मुख्य रूप से कानूनी साधनों के माध्यम से किया गया था।
- कथन 3 सही है: सरकार ने जमींदारी उत्पीड़न के सबसे बुरे पहलू से काश्तकारों की रक्षा के लिए कानून बनाने का वादा किया था, हालांकि यह वादा 1885 में अपूर्ण रूप से पूरा हुआ जब बंगाल काश्तकारी अधिनियम पारित किया गया।

36. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct: The base of the social reform was the newly emerging middle class and the traditional as well as western educated intellectuals.
- Statement 2 is incorrect: the reformers were aiming at modernization rather than westernization. A blind initiation of western cultural norms was never an integral part of reform

37. **(d)**

Exp: All these 3 leaders were associated with the Indian Association. During Peasants movements in Bengal, in 1859-60 and later, they campaigned for the rights of tenants, helped form ryots unions, and organized huge meetings of up to 20,000 peasants in the districts in support of the Bengal Tenancy Bill.

38. **(c)**

Exp:

- Other than the pair 3, all pairs are correctly matched.
- Gopal Ganesh Agarkar - a great rationalist thinker of Maharastra -was not associated with any prominent reform movement/ organizaion.
- Keshub Chandra Sen took over Brahmo Samaj after Devendranath Tagore.
- It was because of Viresalingam - a Tamil reformer - that Prarthana Samaj could spread to South India.
- Swami Sharadhananda was follower of Swami Dayanand Saraswati of Arya Samaj and later started a gurukul in Haridwar.

39. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect as British Government policies were contrary to requirements of Indian industries. A serious weakness of Indian industrial efforts was almost complete absence of heavy and capital goods industries. The 1st steel plant was only established in 1913.
- Statement 2 is incorrect as intention behind introduction of Railway was to give boost to British manufacturing goods and promote import/export and restrict domestic movement.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

36. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: सामाजिक सुधार का आधार नया उभरता मध्यम वर्ग और पश्चिमी शिक्षा प्राप्त बुद्धिजीवी थे।
- कथन 2 गलत है: सुधारकों ने पश्चिमीकरण के बजाय आधुनिकीकरण को लक्ष्य बनाया। पश्चिमी सांस्कृतिक मानदंडों का अन्धानुकरण सुधार का अभिन्न अंग कभी नहीं था।

37. **(d)**

व्याख्या: ये सभी तीनों नेता इंडियन एसोसिएशन के साथ जुड़े थे। बंगाल में किसान आंदोलनों के दौरान 1859–60 में और बाद में, उन्होंने काश्तकारों के अधिकारों के लिए अभियान चलाया, रैयत यूनियन बनाने में सहायता की, और बंगाल काश्तकारी अधिनियम के समर्थन में विभिन्न जिलों में 20,000 किसानों की बड़ी बैठकों का आयोजन किया।

38. **(c)**

व्याख्या:

- युग्म 3 के अलावा, सभी युग्म सही सुमेलित हैं।
- गोपाल गणेश अगरकर, जो महाराष्ट्र के एक महान तर्कवादी विचारक थे, किसी भी प्रमुख सुधार आंदोलन/संगठन के साथ नहीं जुड़े थे।
- केशब चंद्र सेन ने देवेंद्रनाथ टैगोर के बाद ब्रह्म समाज का नेतृत्व किया।
- एक तमिल सुधारक विरेसलिंगम की वजह से प्रार्थना समाज दक्षिण भारत में फैल सका।
- स्वामी श्रद्धानन्द आर्य समाज के स्वामी दयानन्द सरस्वती के अनुयायी थे और बाद में उन्होंने हरिद्वार में गुरूकुल शुरू किया।

39. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है क्यूँकि ब्रिटिश सरकार की नीतियां भारतीय उद्योगों की जरूरतों के विपरीत थीं। भारी और पूंजीगत वस्तुओं के उद्योगों का लगभग पूर्ण अभाव भारतीय औद्योगिक प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कमी थी। पहला इस्पात संयंत्र 1913 में स्थापित किया गया था।
- कथन 2 गलत है क्यूँकि रेलवे की शुरूआत के पीछे की मंशा ब्रिटिश विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देना और आयात/निर्यात को बढ़ावा देना एवं घरेलू आवागमन/व्यापार को प्रतिबंधित करना था।

40. **(d)**

Exp: The term Dikus was used for the outsider by the tribals in Santhal areas, which included the moneylenders, British officials and other non- tribals.

41. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct, Nepal withdrew from Sikkim after the 1814 war.
- Statement 2 is correct, Gurkhas being the local populace of the hilly region of himalayas, added strength to the British Army by being part of it.

42. **(d)**

Exp:

- William Bentinck in 1829 abolished the practice of sati.
- British governmment passed the law in 1856 that enabled Hindu widows to remarry.
- Regulations prohibiting female infanticide had been passed in 1795 and 1802, but they were sternly enforced by Bentinck and Harding.

43. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct: The congress was not willing to disrupt the social structure and customs prevailing in our Indian society, congress had primarily focused on the political unity. It was Gandhiji who gave top priority to these issues when he talked about removal of untouchability.
- Statement 2 is incorrect: Even before 1917 social issues were widely prevailing in India.
- Statement 3 is incorrect: Representation of depressed class was never an issue in congress.

44. **(b)**

Exp: The correct order is:
Battle of Plassey (1757) - Battle of Wandiwash (1760) - Battle of Buxar (1764)

General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

40. **(d)**

व्याख्या: 'दिकू' शब्द संथाल क्षेत्रों में आदिवासियों द्वारा बाहरी व्यक्तियों के लिए प्रयोग किया गया था, जिससे साहूकार, ब्रिटिश अधिकारी और अन्य गैर आदिवासी शामिल थे।

41. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है, नेपाल ने 1814 के युद्ध के बाद सिक्किम पर अपने दावे को छोड़ दिया।
- कथन 2 सही है, गोरखाओं ने जो कि हिमालय के पहाड़ी क्षेत्र के स्थानीय निवासी थे, ब्रिटिश सेना में शामिल होकर उसकी ताकत को बढ़ाया।

42. **(d)**

व्याख्या:

- 1829 में विलियम बेंटिंक ने सती प्रथा को समाप्त कर दिया।
- ब्रिटिश सरकार ने 1856 में हिंदू विधवाओं को पुनर्विवाह के लिए सक्षम बनाने वाला कानून परित किया।
- कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने के विनिमय 1795 और 1802 में पारित किये गये, लेकिन कड़ाई से बेंटिंक और हार्डिंग द्वारा लागू किए गए।

43. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: कांग्रेस हमारे भारतीय समाज की सामाजिक संरचना और प्रचलित रीति–रिवाजों को बाधित करने के लिए तैयार नहीं थी, कांग्रेस ने मुख्य रूप से राजनीतिक एकता पर ध्यान केंद्रित किया। यह गांधीजी थे जिन्होंने अस्पृश्यता को हटाने की बात करते समय इन मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।
- कथन 2 गलत है: 1917 से पहले भी सामाजिक मुद्दे भारत में चर्चा के विषय–वस्तु बने रहे।
- कथन 3 गलत है: कांग्रेस में शोषित वर्ग का प्रतिनिधित्व कभी मुद्दा ही नहीं रहा।

44. **(b)**

व्याख्या: सही क्रम है:
प्लासी की लड़ाई (1757)–वांडीवाश की लड़ाई (1760) –बक्सर की लड़ाई (1764)

45. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct: In early March 1925, Gandhiji began his tour of Kerala and supported the movement.
- Statement 2 is correct: Many savarna (or Higher caste hindus) organization like Nair Service Society, Nair Samajam and Kerala Hindu Sabha, supported temple entry movement

46. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct. A British force was permanently stationed in an Indian state and the Indian state would pay for their maintenance.
- Statement 2 is correct. Under the system, the British undertook to defend the ruler of Indian state from his enemies. They also promised non-interference in the internal affairs of the allied state, but this was a promise they seldom kept.
- Statement 3 is correct. In this treaty Indian rulers usually agreed to the posting at their court of a British resident and that they would not employ any European in their service without the approval of British.

47. **(a)**

Exp: This slogan was given by Sri Narayan Guru.

48. Answer C

Explanation.

Bharat Dharma Mahamandal was a major Hindu organization founded in Haridwar in 1887 by Pandit Deen Dayalu Sharma, who also founded the Hindu College, Delhi on May 15, 1899.

Its objective was to bring together all the leaders of the orthodox Hindu community and work together for the preservation of Sanatan Dharma.

49. **(c)**

Exp: In March 1919, the government passed the Rowlatt Act even though every single Indian member of the Central Legislative Council opposed it. This Act authorised the Government to imprison any person without trial and conviction in a court of law. The Act would thus also enable the government to suspend the right of Habeas corpus which had been the foundation of civil liberties in Britain.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

45. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: मार्च, 1925 के प्रारंभ में गांधीली ने अपने केरल दौरे की शुरूआत की और आंदोलन का समर्थन किया।
- कथन 2 सही है: कई सवर्ण (या उच्च जाति के हिंदुओं) संगठनों जैसे नायर सेवा समाज, नायर समाज और केरल हिंदू सभा ने मंदिर प्रवेश आंदोलन को समर्थन दिया।

46. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। भारतीय राज्यों में ब्रिटिश सेना की एक स्थायी टुकड़ी की तैनाती कर दी गयी। इनके रख–रखाव के खर्चे इन्ही भारतीय राज्यों को उठाना था।
- कथन 2 सही है। इस प्रणाली के तहत, अंग्रेजों ने भारतीय राज्य के शासकों को उनके दुश्मनों से रक्षा के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने संबद्ध राज्यों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का भी वादा किया, लेकिन ये वादे शायद ही कभी निभाए गए।
- कथन 3 सही है। इस संधि के तहत भारतीय शासकों को अपने दरबार में आम तौर पर एक ब्रिटिश रेजिडेंट की नियुक्ति के लिए सहमत होना पड़ात था और वे अंग्रेजों की मंजूरी के बिना अपनी सेवा अपनी में किसी भी यूरोपीय व्यक्ति रोजगार में नहीं रख सकते थे।

47. **(a)**

व्याख्या: यह नारा श्री नारायण गुरू द्वारा दिया गया था।

48. उत्तर C

व्याख्या

- भारत धर्म महामंडल एक प्रमुख हिंदू संगठन था जिसकी स्थापना पंडित दीन दयालु शर्मा ने 1887 में हरिद्वार में की थी, जिन्होंने 15 मई, 1899 को हिंदू कॉलेज, दिल्ली की भी स्थापना की थी।
- इसका उद्देश्य रूढ़िवादी हिंदू समुदाय के सभी नेताओं को एक साथ लाना और सनातन धर्म के संरक्षण के लिए मिलकर काम करना था।

49. **(c)**

व्याख्या: मार्च 1919 में, सरकार ने केंद्रीय विधान परिषद के सभी भारतीय सदस्यों के विरोध के बावजूद रॉलेट एक्ट पारित किया। इस अधिनियम ने सरकार को किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए एवं न्यायालय में दोषसिद्धि के बगैर बन्दी बनाने के लिए अधिकृत किया। इस प्रकार यह अधिनियम सरकार को बन्दी प्रत्यक्षीकरण का अधिकार निलम्बित करने में भी सक्षम किया, जो ब्रिटेन में नागरिक स्वतंत्रताओं का आधार था।

50. **(c)**

Exp: Indian Muslims were critical of the treatment meted out to Turkey (Ottoman Empire) under Treaty of Sevres. Khilafat movement was launched to influence British in its treatment of the Ottoman Empire post World War 1.

51. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is not correct. The session was presided over by Ambika Charan Majumdar.
- Statement 2 is correct. The extremists including were welcomed back into the Congress by the Moderate president, Ambika Charan Mazumdar at this session.
- Statement 3 is not correct. The Lucknow Congress was significant also for the famous Congress League Pact, popularly know as the Lucknow Pact. Both Tilak and Annie Besant had played a leading role in bringing about this agreement between the Congress and the League, much against the wishes of many important leaders, including Madan Mohan Malaviya. The pact accepted the principle of separate electorates for the Muslims.

52. **(c)**

Exp: What angered Indians the most was the exclusion of Indians from the Simon Commission and the basic notion behind this exclusion that foreigners would discuss and decide upon India's fitness for selfgovernment. So, option c is correct. The demand of "Poorn Swaraj" was made in Lahore Session of Congress. This session was held in 1929 and Simon Commission was appointed in 1927. Rowlatt act was in 1919.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

50. **(c)**

व्याख्याः भारतीय मुसलमानों ने सेब्रे की सन्धि के अधीन तुर्की (ऑटोमन साम्राज्य) के साथ हुए व्यवहार की आलोचना की थी। खिलाफत आंदोलन, प्रथम विश्व युद्ध के बाद ऑटोमन साम्राज्य के साथ अंग्रेजों के व्यवहार को प्रभावित करने के लिए आरंभ किया गया था।

51. **(b)**

व्याख्याः

- कथन 1 सही नही है। इस सत्र की अध्यक्षता अम्बिका चरण मजूमदार ने की थी।
- कथन 2 सही है। इस सत्र में नरमपंथी अध्यक्ष अम्बिका चरण मजूमदार द्वारा कांग्रेस में वापस आने के लिए गरमपंथियों का स्वागत किया गया।
- कथन 3 सही नहीं है। लखनऊ सत्र ऐतिहासिक कांग्रेस–लीग समझौते के लिए भी जाना जाता है, जो लखनऊ समझौते के रूप में लोकप्रिय है। तिलक और एनी बेसेंट, दोनों ने मदन मोहन मालवीय सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की इच्छाओं के करीब–करीब विरूद्ध जाकर भी कांग्रेस और लीग के बीच इस समझौते को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाई थी। इस समझौते में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल के सिद्धांत को स्वीकार किया गया।

52. **(c)**

व्याख्याः साइमन कमीशन में भारतीयों को सम्मिलित न किए जाने और इससे व्यक्त होने वाले इस अंतर्निहित तथ्य ने भारतीयों को सर्वाधिक क्रोधित किया कि स्वशासन हेतु भारत की योग्यता पर चर्चा और निर्णय विदेशियों द्वारा किए जाएँगे। इसलिए विकल्प c सही है। "पूर्ण स्वराज" की मांग कांग्रेस के लाहौर सत्र में की गई थी। यह सत्र 1929 में आयोजित किया गया था और साइमन कमीशन की नियुक्ति 1927 में की गई थी। रॉलेट एक्ट 1919 में आया था।

53. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Spread of modern western education and thoughts during 19th century imbibed a modern, rational, secular, democratic and nationalist political outlook, which played a key role in growing nationalism.
- Statement 2 is correct. The chief instrument through which the nationalist-minded Indians spread the message of patriotism and modern economic, social and political ideas, and created an all-India consciousness was the Press. Large numbers of nationalist newspapers made their appearance during the second half of the 19th century.
- Statement 3 is correct. Further railway and other communication system also played a critical role in spread of Nationalism in India.

54. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is not correct. The Indian National Congress Benares session was presided over by G.K. Gokhale.
- Statement 2 is not correct. The goal of the Indian National Congress as 'self government or Swaraj like that of the United Kingdom or the Colonies' was declared at the 1906 session at Calcutta presided over Dadabhai Naroji.
- Statement 3 is not correct. The Indian National Congress took up the Swadeshi call and the Banaras Session, 1905, presided over by G.K. Gokhale, supported the Swadeshi and Boycott Movement for Bengal. The militant nationalists led by Tilak, Bipin Chandra Pal, Lajpat Rai and Aurobindo Ghosh were, however, in favour of extending the movement to the rest of India and carrying it beyond the programme of just Swadeshi and boycott to a full fledged political mass struggle. The aim was now Swaraj and the abrogation of partition had become the 'pettiest and narrowest of all political objects'. The moderates, by and large, were not as yet willing to go that far.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

53. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। 19 वीं सदी के दौरान आधुनिक पश्चिमी शिक्षा और विचारों का प्रसाद वस्तुतः आधुनिक, तार्किक, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण को आत्मसात करता था और इसने राष्ट्रवाद का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- कथन 2 सही है। भारतीय राष्ट्रवादी–विचारधारा वाले भारतीयों द्वारा देशभक्ति व आधुनिक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विचारों का संदेश प्रसारित करने के साथ–साथ अखिल भारतीय चेतना का विकास करने का प्रमुख माध्यम प्रेस था। 19 वीं सदी की दूसरी छमाही के दौरान राष्ट्रवादी समाचार पत्रों ने अत्यधिक संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज की।
- कथन 3 सही है। इसके अतिरिक्त भारत में राष्ट्रवाद के प्रसार में रेलवे और अन्य संचार प्रणालियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

54. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बनारस सत्र की अध्यक्षता गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा की गयी थी।
- कथन 2 सही नहीं है। कलकत्ता में 1906 के सत्र में 'यूनाइटेड किंगडम या उपनिवेशों की भाँति स्वशासन या स्वराज' को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लक्ष्य' घोषित किया गया था। इस सत्र की अध्यक्षत दादाभाई नौरोजी द्वारा की गयी थी।
- कथन 3 सही नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने स्वदेशी आह्वान को स्वीकार किया एवं गोपाल कृष्ण गोखले की अध्यक्षता में सम्पन्न बनारस सत्र, 1905 ने बंगाल के लिए स्वदेशी अभियान एवं बहिष्कार आंदोलन का समर्थन किया। लेकिन तिलक, विपिनचंद्र पाल, लाला लाजपत राय और अरविन्द घोष के नेतृत्व में गरमपंथी राष्ट्रवादी शेष भारत में इस आंदोलन को विस्तार देने एवं इसके स्वरूप को एकमात्र स्वदेशी और बहिष्कार कार्यक्रम से परे ले जाकर पूर्ण रूप से राजनीतिक जन संघर्ष का रूप दिए जाने के पक्ष में थे। इसका उद्देश्य अब स्वराज था और विभाजन को रद्द करना 'सबसे तुच्छ और सबसे संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्य' रह गया था। किन्तु नरमपंथी सामान्यतः अभी उस सीमा तक जाने के इच्छुक भी नहीं थे।

55. **(a)**

Exp: Nehru Report was prepared as an alternative to Simon Commission. It was finalised in August 1928. Civil Disobedience Movement started on 12 March 1930 with Dandi march. Communal award was announced in 1932.

56. **(c)**

Exp:

- One of the biggest reason behind success of CDM was use of traditional means by nationalist leaders to connect masses.
- In Prabhatpheris, bands of men, women and children went around at dawn singing nationalist songs, became the rule in villages and towns. Patrikas, or illegal news-sheets, sometimes written by hand and sometimes cyclostyled, were part of the strategy to defy the hated Press Act, and they flooded the country.
- Magic lanterns were used to take the nationalist message to the villages. Public meeting also helped in to connect to the masses.
- Tying Rakhi was a means of cementing ties during partition of Bengal and part of swadeshi movement. Hence option (c) is the correct answer.

57. **(c)**

Exp:

- Statement 1:- incorrect, it was conceived by Mohan Singh an ex-army officer of British army who decided not to support the British after their reversal in South East Asia.
- Statement 2:-Incorrect, in the second phase of INA, when Bose was brought to Singapore by means of German and Japanese submarines, he setup provisional govt for free Indian in 1943 which was recognised by axis powers. He setup headquarters at Rangoon and Singapore and started reorganizing INA.
- Statement 3:- Correct. Rani Jhansi Regiment was was an all women regiment under INA.

General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

55. **(a)**

व्याख्याः नेहरू रिपोर्ट साइमन कमीशन के विकल्प के रूप में तैयार की गयी थी। इसे अगस्त 1928 में अंतिम रूप दिया गया था। सविनय अवज्ञा आंदोलन 12 मार्च 1930 को दांडी मार्च के साथ आरंभ हुआ। सांप्रदायिक पुरस्कार (कॉम्युनल अवार्ड) की घोषण 1932 में की गयी थी।

56. **(c)**

व्याख्याः

- सविनय अवज्ञा आंदोलन (सी.डी.एम.) की सफलता के पीछे एक सबसे बड़ा कारण राष्ट्रवादी नेताओं द्वारा आम जनता को जोड़ने के लिए परंपरागत साधनों का किया गया उपयोग था।
- प्रभातफेरियों में पुरूषो, महिलाओं और बच्चों के झुंडों का प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व राष्ट्रवादी गीत गाते हुए घूमना, गांवों और कस्बों में एक नियम बन गया था। कभी–कभी हाथ से लिखी और कभी–कभी प्रेस में छपी पत्रिकाएँ या अवैध समाचार–पत्र, अत्यधिक नापसन्द किए जाने वाले प्रेस अधिनियम को धता बनाने के लिए अपनयी गयी रणनीति का भाग हुआ करते थे और देश में इनकी बाढ़–सी आ गयी थी।
- गांवों में राष्ट्रवादी संदेश प्रसारित करने के लिए जादुई लालटेनों का उपयोग किया जाता था। सार्वजनिक बैठकों ने भी जनता से संपर्क स्थापित करने में सहयोग किया।
- राखी बांधना वस्तुतः बंगाल विभाजन के दौरान संबंधों को प्रगाढ़ करने का एक माध्यम था और यह स्वदेशी आंदोलन का भाग था। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।

57. **(c)**

व्याख्याः

- कथन 1:– गलत है। इसकी अभिकल्पना ब्रिटिश सेना के भूतपूर्व अधिकारी मोहन सिंह द्वारा की गयी थी जिन्होंने दक्षिण–पूर्व एशिया में अपने वादे से मुकरने के बाद अंग्रेजों का समर्थन नहीं करने का निर्णय किया।
- कथन 2:– गलत है। आई.एन.ए. के दूसरे चरण में, जब बोस को जर्मन और जापानी पनडुब्बियों के माध्यम से सिंगापुर लाया गया तो उन्होंने 1943 में स्वतंत्र भारत के लिए अनंतिम सरकार की स्थापना की, जिसे धुरी शक्तियों द्वारा मान्यता प्रदान की गयी थी। उन्होंने रंगून एवं सिंगापुर में मुख्यालयों की स्थापना की और आई.एन.ए. का पुनर्गठन आरम्भ किया।
- कथन 3:– सही है। रानी झांसी रेजिमेंट आई.एन.ए में पूर्ण रूप से महिलाओं की रेजीमेन्ट थी।

58. **(c)**

Exp:

- C. Rajagopalachari, led a salt march in Tamilnadu from Trichinopoly to Vedaranniyam on the Tanjore coast.
- K. Kelappan, the hero of the Vaikom Satyagraha, walked from Calicut to Payannur to break the salt law in Malabar, modern day Kerla.
- Frontier Gandhi was active in North West frontier and not in Lahore. Khan Abdul Gaafar Khan lead a band of non-violent revolutionaries, the Khudai Khidmatgars, popularly known as the Red Shirts that played an extremely active role in the Civil Disobedience Movement in Peshawar area.

59. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct: Between 1907 and 1908, nine major leaders in Bengal including Ashwini Kumar Dutt and Krishna Kumar Mitra were deported. Tilak was given a sentence of six years imprisonment; Ajit Singh and Lajpat Rai of Punjab were deported and Chidambaram Pillai and Harisarvottam Rao from Madras and Andhra were arrested.
- Statement 2 is correct: The internal squabbles, and especially, the split, in 1907 in the Congress, the apex all-India organization, weakened the movement.
- Statement 3 is correct: The government, seeing the revolutionary potential of the movement, came down with a heavy hand. Repression took the form of controls and bans on public meetings, processions and the press. Student participants were expelled from Government schools and colleges, debarred from Government service, fined and at times beaten up by the police.
- Statement 4 is incorrect: Annulment of Partition of Bengal was done in 1911 in Delhi Durbar after waning away of swadeshi movement.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

58. **(c)**

व्याख्या:

- चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने तमिलनाडु में तंजौर तट पर त्रिचनापल्ली से वेदारणयम तक नमक मार्च का नेतृत्व किया।
- वायकोम सत्याग्रह के नायक के. केलप्पन ने मालाबार अर्थात् आधुनिक समय के केरल में नमक कानून तोड़ने के लिए कालीकट से पैनोर तक यात्रा की।
- सीमांत गांधी, उत्तर–पश्चिमी सीमा पर सक्रिय थे, न कि लाहौर में। खान अब्दुल गफ्फार खान ने अहिंसक क्रान्तिकारियों के एक दल खुदाई खिदमतगारों का नेतृत्व किया, जो रेड शर्ट्स के नाम से लोकप्रिय था। उस दल ने पेशावर क्षेत्र में सविनय अवज्ञा आंदोलन में अत्यधिक सक्रिय भूमिका निभाई।

59. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: 1907 और 1908 के बीच बंगाल में अश्विनी कुमार दत्त और कृष्ण कुमार मित्र समेत नौ प्रमुख नेताओं को निर्वासित किया गया था। तिलक को छह वर्ष के कारावास की सजा दी गई थी; अजित सिंह और पंजाब के लाला लाजपत राय को निर्वासित कर दिया गया था और चिदंबरम पिल्लई और हरिसर्वोत्तम राव को मद्रास एवं आंध्र से गिरफ्तार किया गया था।
- कथन 2 सही है: आंतरिक कलह और विशेष रूप से 1907 में सर्वोच्च अखिल भारतीय संगठन अर्थात कांग्रेस में हुए विभाजन ने आंदोलन को कमजोर कर दिया।
- कथन 3 सही है: आंदोलन की क्रांतिकारी क्षमता को देखकर सरकार ने भारी कार्रवाई की। सरकारी दमन ने जनसभाओं, जुलूसों और प्रेस पर नियंत्रण एवं प्रतिबंधों का रूप ले लिया। छात्र प्रतिभागियों को सरकारी स्कूलों और कॉलेजों से निष्कासित कर दिया गया था, उन्हें सरकारी सेवा से विवर्जित कर दिया गया, उन पर जुर्माना लगाया गया और कभी–कभी पुलिस द्वारा उन्हें पीटा भी गया।
- कथन 4 गलत है: बंगाल विभाजन को 1911 में स्वदेशी आंदोलन के पतन या कमजोर पड़ने के बाद दिल्ली दरबार में रद्द किया गया था।

60. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The nationalist agitation forced the Government to make some changes in legislative functioning by the Indian Councils Act of 1892. The number of additional members of the Imperial and Provincial Legislative Councils was increased from the previous six to ten to ten to sixteen. A few of these member could be elected indirectly through municipal committees, district boards, etc., but the official majority remained.
- Statement 2 is not correct. The members were given the right to discuss the annual budget but they could neither vote on it nor move a motion to amend it. They could also ask questions but were not allowed to put supplementary questions or to discuss the answers.

61. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect. The separate electorates for Sikhs and Christians were introduced in 1919 itself. Separate electorate was introduced for the first time for depressed classes or harijans.
- Statement 2 is incorrect as Congress neither rejected nor accepted the proposal. The dilemma was on account of acceptance granted in Lucknow Session of 1916 towards separate electorates for Muslims.
- Statement 3 is correct as Gandhiji undertook fast unto death for putting an end to this proposal. He believed that proposals would keep harijan community secluded and backward for lifelong.

62. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The Lahore session of Congress in 1930 passed a resolution declaring Poorna Swaraj as its objective.
- Statement 2 is correct. Congress also announced the launching of Civil Disobedience at the Lahore session.
- Statement 3 is incorrect. In Lahore Session, 26 January 1930 was fixed as the first Independence Day not Republic Day.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

60. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। राष्ट्रवादी आंदोलन ने भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 के द्वारा सरकार को विधायी कामकाज में कुछ परिवर्तन करने के लिए विवश किया। प्रांतीय और केंद्रीय (इंपीरियल) विधान परिषदों के अतिरिक्त सदस्यों की संख्या को पहले के छह से दस के स्थान पर बढ़ाकर दस से सोलह कर दिया गया था। इन सदस्यों में से कुछ को नगर निगम, जिला बोर्डों, समितियों आदि के माध्यम से परोक्ष रूप से चुना जा सकता था, किन्तु आधिकारिक बहुमत का नियम जारी रहा।
- कथन 2 सही नहीं है। सदस्यों को वार्षिक बजट पर चर्चा करने का अधिकार दिया गया था किन्तु वे न तो इस पर मतदान कर सकते थे और न ही इसमें संशोधन करने के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते थे। वे प्रश्न भी पूछ सकते थे, लेकिन उन्हें अनुपूरक प्रश्न करने या उत्तरों पर चर्चा करने की अनुमति नहीं थी।

61. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही नहीं है। 1919 में ही सिखों और ईसाइयों के लिए पृथक निर्वाचक मंडलों का आरम्भ किया गया था। इस समय दलितों या हरिजनों के लिए पहली बार पृथक निर्वाचक मंडल का गठन किया गया।
- कथन 2 सही हनीं है, क्योंकि कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को न अस्वीकार किया और न ही स्वीकार किया। यह दुविधा 1916 के लखनऊ सत्र में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडलों हेतु दी गई स्वीकृति के कारण थी।
- कथन 3 सही है, क्योंकि इस प्रस्ताव को समाप्त करने के लिए गांधी जी ने आमरण अनशन किया। उनका मानना था कि ये प्रस्ताव हरिजन समुदाय को आजीवन अलग–थलग और पिछड़ा रखेंगे।

62. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। 1930 में कांग्रेस के लाहौर सत्र में पूर्ण स्वराज को कांग्रेस का लक्ष्य निर्धारित करने के विषय में एक प्रस्ताव पारित किया गया।
- कथन 2 सही है कांग्रेस ने लाहौर सत्र में सविनय अवज्ञा आंदोलन के शुभारंभ की भी घोषणा की।
- कथन 3 ग़लत है। लाहौर में 26 जनवरी 1930 को पहला **स्वतंत्रता दिवस** नियत किया गया था, **गणतंत्र दिवस** नहीं।

63. **(b)**

Exp: Just when the nationalists were expecting post-War constitutional concessions, the Government came out with the repressive Rowlatt Act which the nationalists took as an insult. Gandhi called for a nationwide protest in February 1919. But soon, having seen the constitutional protest fail, Gandhi organised a Satyagraha Sabha to lauch a satyagraha.

64. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect. Gandhi ji was not opposed to modern large scale industry so long as it augmented, and lightened the burden of human labour and not displaces it. He also wanted large scale industry to be owned and controlled by the state and not by private capitalists.
- Statement 2 is correct. British economists and administrators echoed for investment of British capital as major instrument for development of India. Indian nationalists including Dadabhai Naoroji, Tilak, Gandhi and Nehru completely rejected the proposal. As per them, Foreign capital underdeveloped the nation than to develop it. It suppressed indigenous capital and made growth difficult. Also, it was politically harmful as it had its impact over the administration.

65. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Indian Civil Liberties Union was formed in August 1936 after the efforts of Nehru. It was formed on non-party, non-sectarian lines to mobilize public opinion against all the encroachments on civil liberties.
- Statement 2 is incorrect. National Planning Committee was set up in 1938 by Subhash Chandra Bose to draw up a development plan for free India under the chairmanship of Nehru.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

63. **(b)**

व्याख्या: जब राष्ट्रवादी युद्ध–पश्चात संवैधानिक छूटें प्राप्त होने की अपेक्षा कर रहे थे, तभी सरकार ने दमनकारी रॉलेट एक्ट प्रस्तुत किया जिसे राष्ट्रवादियों ने अपना अपमान माना। फरवरी 1919 में गांधीजी ने राष्ट्रव्यापी विरोध का आह्वान किया। लेकिन शीघ्र ही, संवैधानिक विरोध को असफल होता देखकर सत्याग्रह आरम्भ करने के लिए गांधीजी ने एक सत्याग्रह सभा का आयोजन किया।

64. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है। जब तक वृहद स्तरीय आधुनिक उद्योग मानव श्रम को प्रतिस्थापित करने के स्थान पर उसकों संवर्धित, और उसके बोझ को हल्का करता हो, तब तक गांधी जी उसके विरोधी नहीं थे। वे यह भी चाहते थे कि वृहत स्तरीय उद्योग का स्वामित्व और नियंत्रण निजी पूँजीपतियों द्वारा नहीं बल्कि राज्य द्वारा किया जाए।
- कथन 2 सही है। ब्रिटिश अर्थशास्त्रियों और प्रशासकों ने भारत विकास के लिए प्रमुख साधन के रूप में ब्रिटिश पूंजी के निवेश की बार–बार सराहना की। दादाभाई नैरोजी, तिलक, गांधी और नेहरू इत्यादि भारतीय राष्ट्रवादियों ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया। उनके अनुसार, विदेशी पूंजी देश का विकास करने के स्थान पर देश को विकास से वंचित करती थी। यह स्वदेशी पूंजी का दमन करती और विकास को कठिन बना देती थी। साथ ही, यह राजनीतिक रूप से हानिकारक भी थी क्योंकि प्रशासन पर इसका प्रभाव पड़ता था।

65. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। इंडियन सिविल लिबर्टीज यूनियन का गठन अगस्त, 1936 में नेहरू जी के प्रयासों से किया गया था। इसका गठन नागरिक अधिकारों से संबंधित सभी अतिक्रमणों के विरूद्ध जनता की राजय को लामबंद करने हेतु गैर–पार्टी, गैर–सांप्रदायिक आधार पर किया गया था।
- कथन 2 गलत है। राष्ट्रीय योजना समिति का गठन सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 1938 में नेहरू जी की अध्यक्षता में स्वतंत्र भारत के लिए विकास योजना निर्मित करने हेतु की गई थी।

66. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The Cabinet Mission was sent to India in 1946 to negotiate with Indian leaders the terms of transfer of power to Indians.
- Statement 2 is correct. It proposed a two tier federal plan which was expected to maintain national unity while conceding the largest measure of regional autonomy.
- Statement 3 is incorrect. Though the congress and muslim league had differences in interpretations of the plan, both accepted the plan. However they could not agree on the plan for an interim government.

67. **(d)**

Exp:

- All the 3 pairs are correctly matched. In Bengal and Bihar, anti-chowkidara campaign was launched during civil disobedience movement.
- Defiance of forest laws assumed a mass character in Maharashtra, Karnataka and the Central Provinces, especially in areas with large tribal populations who had been the most seriously affected by the colonial Government's restrictions on the use of the forest.
- No revenue no tax campaign was the feature of UP. The no-revenue part was a call to the zamindars to refuse to pay revenue to the Government; the no rent was a call to the tenants not to pay rent to the zamindars.
- Hence option (d) is the correct answer.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

66. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। कैबिनेट मिशन को 1946 में भारतीयों को सत्ता हस्तांतरण करने की शर्तों पर भारतीय नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए भारत भेजा गया था।
- कथन 2 सही है। इसने दो–स्तरीय संघीय योजना का प्रस्ताव रखा। अपेक्षा की गई थी कि यह क्षेत्रीय स्वायत्तता को सर्वाधिक स्वीकृति प्रदान करते हुए राष्ट्रीय एकता को बनाए रखेगी।
- कथन 3 ग़लत है। यद्यपि कैबिनेट मिशन के योजना की व्याख्याओं के संबंध में कांग्रेस और मुस्लिम लीग में मतभेद थे, किन्तु दोनों ने योजना को स्वीकार किया। लेकिन वे अंतरिम सरकार की योजना पर सहमत नहीं हो सके।

67. **(d)**

व्याख्या:

- तीनों युग्म सही सुमेलित हैं। बंगाल और बिहार में, सविनय अवज्ञा आदोलन के दौरान चौकीदारी विरोधी अभियान आरम्भ किया गया था।
- वन कानूनों की अवज्ञा ने महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रांतों में विशेष रूप से विशाल जनजातीय आबादी वाले ऐसे क्षेत्रों में जन आंदोलन का रूप ग्रहण कर लिया था, जो वन के उपयोग पर औपनिवेशिक सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से सर्वाधिक गंभीरतापूर्वक प्रभावित थे।
- "कर न दो, लगान न दो" अभियान उत्तर प्रदेश की विशेषता थी। 'कर न देने' आह्वान वस्तुतः जमींदारों से की गई अपील थी कि वे सरकार को राजस्व का भुगतान न करें एवं 'लगान न देने' का आग्रह किसानों से किया गया था कि वे जमींदारों को लगान का भुगतान न करें।
- इसलिए विकल्प (d) सही उत्तर है।

68. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect: Moderates lacked faith in the common people, did not work among them and consequently failed to acquire any roots among them. The Extremists had made a sharp and effective critique of the moderates. They believed in the capacity of masses and tried to mobilise the masses. It was the revolutionary nationalists who believed in the individual heroic actions.
- Statement 2 is correct: Extremists had rightly emphasized the role of the masses and the need to go beyond propaganda and agitation. They had advocated persistent opposition to the Government and put forward a militant programme of passive resistance and boycott of foreign cloth, foreigners' courts, education and so on.
- Statement 3 is correct: They had demanded self-sacrifice from the youth. They had talked and written about direct action.

69. **(d)**

Exp:

- All the given pairs are correctly matched. Pherozeshah Mehta, K. T. Telang and Badruddin Tyabji formed Bombay Presidency Association in 1885.
- The Poona Sarvajanik sabha was organised by Justice Ranade and others in 1870.
- The Madras Maha Jansabha was formed by Viraraghavachari, Subramaniya Iyer, Ananda Charlu and others in 1884.

70. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is not correct: The tebhaga struggle was started in Bengal that held the limelight, in late 1946.
- Statement 2 is correct: The share-croppers of Bengal began to assert that they would no longer pay a half share of their crop to the jotedars but only one-third and that before division the crop would be stored in their khamars (godowns) and not that of the jotedars.
- Statement 3 is correct: They were encouraged by the fact that the Bengal Land Revenue Commission, popularly known as the Floud Commission, had already made this recommendation in its report to the government.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

68. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: नरमपंथियों में सामान्य जनता के प्रति निष्ठा का अभाव था, उन्होंने उनके बीच कार्य नहीं किया और परिणामस्वरूप वे उनके बीच जड़ें जमाने में असफल रहे। गरमपंथियों ने नरमपंथियों की तीखी और प्रभावशाली आलोचना की थी। वे जनता की क्षमता में विश्वास करते थे और उन्होंने जनता को लामबंद करने का प्रयास किया। जबकि क्रान्तिकारी राष्ट्रवादी व्यक्तिगत वीरतापूर्ण कृत्यों में विश्वास रखते थे।
- कथन 2 सही है: गरमपंथियों ने आम जनता की भूमिका के साथ–साथ प्रचार तथा आंदोलन से परे जाने की आवश्यकता पर उचित जोर दिया था। उन्होंने सरकार का लगातार विरोध करने की रणनीति का पक्ष लिया था एवं निष्क्रिय प्रतिरोध एवं विदेशी वस्त्रों, विदेशी न्यायालयों, शिक्षा आदि के बहिष्कार का एक क्रान्तिकारी कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
- कथन 3 सही है: उन्होंने युवाओं से आत्म बलिदान की माँग की थी। उन्होंने प्रत्यक्ष कार्रवाई के विषय में बातें कीं और लेख लिखे।

69. **(d)**

व्याख्या:

- दिए गए सभी युग्म सही सुमेलित हैं। फिरोजशाह मेहता, के.टी. तेलांग और बदरूद्दीन तैयब जी ने 1885 में बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन का गठन किया।
- पूना सार्वजनिक सभा का गठन न्यायमूर्ति रानाडे और अन्य के द्वारा 1870 में किया गया था।
- मद्रास महाजनसभा का गठन वीर राघवचारी, सुब्रमण्यम अय्यर, आनंद चारलू और अन्य के द्वारा 1884 में किया गया था।

70. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही नहीं है: तेभागा आंदोलन बंगाल में आरम्भ किया गया था, जो वर्ष 1946 के अन्तिम महीनों में चर्चा में आया।
- कथन 2 सही है: बटाई पर खेती करने वाले बंगाल के किसानों ने इस तथ्य पर जोर देना आरम्भ कर दिया कि वे अब जोतदारों (जमींदारों) को अपनी फसल में से आधा भाग नहीं देंगे बल्कि केवल एक तिहाई भाग ही देंगे और साथ ही यह भी कि फसल के बंटवारे से पहले फसल का भण्डारण जोतदारों के नहीं बल्कि स्वयं उनके खलिहानों (खमार) में किया जाएगा।
- कथन 3 सही है: वे इस तथ्य से प्रोत्साहित थे कि फ्लाउड कमीशन के नाम से लोकप्रिय बंगाल भूमि राजस्व आयोग ने सरकार को सौपी रिपोर्ट में पहले से ही इसकी अनुशंसा की थी।

71. **(b)**

Exp:

- Statement 1 not correct. Inspite of the movement having its genesis in anti partition protest in Bengal, the boycott movement spread to many parts of India.
- Statement 2 is correct. As question of spreading the movement on pan India level and question of passive resistance divided INC which led to split in 1907.
- Statement 3-The social base of the national movements now extended to include a certain zamindari section, the lower middle class in the cities and small towns and school and college students on a massive scale. Women came out of their homes for the first time and joined processions and picketing.
- Statement 4- Lord Curzon was viceroy when partition of Bengal was announced.

72. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Being fully and consciously secular, he understood, more clearly than many of his contemporaries, the danger that communalism posed to the nation and the national movement. He often told his audience that communalism was as big an enemy as colonialism. In April 1928, at the conference of youth where Naujawan Bharat Sabha was reorganized, Bhagat Singh and his comrades openly opposed the suggestion that youth belonging to religious communal organizations should be permitted to become members of the Sabha. Religion was one's private concern and communalism was an enemy to be fought, argued Bhagat Singh.
- Statement 2 is correct. Bhagat Singh revered Lajpat Rai as a leader. But he would not spare even Lajpat Rai, when, during the last years of his life, Lajpat Rai turned to communal politics. He then launched a political-ideological campaign against him. Because Lajpat Rai was a respected leader, he would not publicly use harsh words of criticism against him.
- Statement 3 is correct. Bhagat Singh helped establish the Punjab Naujawan Bharat Sabha in 1926 (becoming its founding Secretary), as the open wing of the revolutionaries. The Sabha was to carry out open political work among the youth, peasants and workers. It was to open branches in the villages. Under its auspices, Bhagat Singh used to deliver political lectures with the help of magic lantern slides. Bhagat Singh and Sukhdev also organized the Lahore Students Union for open, legal work among the students.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

71. **(b)**

व्याख्या:

- विकल्प 1 सही नहीं है। बंगाल विभाजन के विरोध के कारण इसकी उत्पत्ति होने पर भी बहिष्कार आंदोलन भारत के कई भागों में फैल गया।
- विकल्प 2 सही है। क्योंकि अखिल भारतीय स्तर पर आंदोलन के प्रसार के प्रश्न एवं निष्क्रिय प्रतिरोध के प्रश्न ने आई.एन.सी. को विभाजित कर दिया, जिसके कारण यह 1907 में विभाजित हो गयी।
- विकल्प 3 सही नहीं है– राष्ट्रीय आंदोलन का सामाजिक आधार अब विस्तारित हो गया और इसने एक खास जमींदारी वर्ग अर्थात शहरों और छोटे कस्बों में निचले मध्यम वर्ग एवं भारी पैमाने पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को सम्मिलित कर लिया। पहली बार महिलाएँ अपने घरों से बाहर निकलीं और उन्होंने जुलूस व धरना–प्रदर्शनों में भागीदारी की।

72. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। पूर्णतया एवं सचेतन रूप से धर्मनिरपेक्ष होने के कारण उन्होंने अपने अनेक समकालीनों की तुलना में सम्प्रदायवाद द्वारा देश एवं राष्ट्रीय आंदोलन के लिए प्रस्तुत खतरों को अधिक स्पष्ट रूप से समझा। वे प्रायः अपने श्रोतावर्ग से सम्प्रदायवाद को उपनिवेशवाद की भांति ही एक बड़ा शत्रु बताते थे। अप्रैल 1928 में, युवाओं के एक सम्मेलन जिसमें भारत नौजवान सभा का पुनर्गठन किया गया था, भगत सिंह और उनके साथियों ने धार्मिक साम्प्रदायिक संगठनों से संबंधित युवाओं को सभा का सदस्य बनने की अनुमति प्रदान करने के सुझाव का सार्वजनिक रूप से विरोध किया। भगत सिंह ने तर्क दिया कि धर्म व्यक्ति का निजी विषय होता है और संप्रदायवाद एक ऐसा शत्रु है जिससे संघर्ष किया जाना वांछित था।
- कथन 2 सही है। लाजपत राय पर भगत सिंह की एक नेता के रूप में श्रद्धा थी। किन्तु अपने जीवन के अन्तिम वर्षों में जब लाजपत राय साम्प्रदायिक राजनीति की ओर उन्मुख हो गए तो उन्होंने लाजपत राय को भी नहीं छोड़ा। तब भगत सिंह ने उनके विरूद्ध राजनीतिक–वैचारिक अभियान आरम्भ किया। लाजपत राय एक सम्मानित नेता थे, इसलिए उन्होंने उनके विरूद्ध तीखे आलोचनात्मक शब्दों का प्रयोग नहीं किया।
- कथन 3 सही है। भगत सिंह ने 1926 में क्रान्तिकारियों के ओपन विंग के रूप में पंजाब में भारत नौजवान सभा की स्थापना में (इसका संस्थापक सचिव बनकर) सहयोग किया। सभा को युवाओं, किसानों और श्रमिकों के बीच सार्वजनिक राजनीतिक कार्य करने थे। इसे गांवों में शाखाएँ खोलनी थीं। इसके तत्वाधान में, जादुई लालटेन स्लाइडों के माध्यम से भगत सिंह राजनीतिक व्याख्यान दिया करते थे। छात्रों के बीच सार्वजनिक, विधिक कार्य के लिए भगत सिंह और सुखदेव ने लाहौर छात्र संघ का गठन भी किया।

73. **(a)**

Exp: In 1904, V. D. Sarvarkar organized Abhinav Bharat as a secret society of revolutionaries.

74. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct: This reform increased the number of elected members in both Imperial Legislative Council and the provincial councils. But most of the elected members were elected indirectly.
- Statement 2 is incorrect: Morley Minto Reform introduced separate electorate for the Muslim not for the Sikhs and Christians.

75. **(c)**

Exp: Quit India Movement was started in Aug 1942 after the breakdown of negotiations between Cripps Mission (March 1942) and the Congress. Cabinet Mission-1946,Wavell Plan-1945 and Simon Commission-1928.

76. **(d)**

Exp: The impact of the Left on the national movement was reflected in the resolution on Fundamental Rights and Economic Policy passed by the Karachi session of the Congress in 1931, the resolutions on economic policy passed at the Faizpur session in 1936, the Election Manifesto of the Congress in 1936, the setting up of a National Planning Committee in 1938, and the increasing shift of Gandhiji towards radical positions on economic and class issues.

77. **(c)**

Exp: The Cunningham circular of the Assam Government in 1930 prohibited the students from participating in political activities associated with the freedom movement. The students and their guardians were to furnish assurances of good behaviour. A powerful agitation led by students was launched against the infamous 'Cunningham circular'.

General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

73. **(a)**

व्याख्या: 1904 में वी.डी. सावरकर ने क्रांतिकारियों की एक गुप्त संस्था के रूप में अभिनव भारत का गठन किया।

74. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: इस सुधार ने केंद्रीय (इम्पीरियल) विधान परिषद और प्रांतीय परिषदों दोनों में ही निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि की। लेकिन अधिकतर निर्वाचित सदस्यों को परोक्ष रूप से चुना गया था।
- कथन 2 सही नहीं है: मॉर्ले मिंटो सुधारों ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल का गठन किया, सिखों और ईसाइयों के लिए नहीं।

75. **(c)**

व्याख्या: भारत छोड़ों आदोलन अगस्त 1942 में क्रिप्स मिशन (मार्च 1942) और कांग्रेस के बीच वार्ता भंग होने के बाद आरंभ हुआ था। अन्य तथ्य इस प्रकार हैं:– कैबिनेट मिशन–1946, वैवेल योजना–1945 और साइमन कमीशन–1928।

76. **(d)**

व्याख्या: राष्ट्रीय आंदोलन पर वामपंथ का प्रभाव कांग्रेस के कराची सत्र द्वारा 1931 में मूल अधिकारों तथा आर्थिक नीति पर पारित प्रस्ताव, 1936 में फैजपुर सत्र में आर्थिक नीति पर पारित प्रस्तावों, 1936 में कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र, 1938 में राष्ट्रीय योजना समिति की स्थापना, और आर्थिक एवं वर्ग संबंधी मुद्दों पर गांधीली की विचारधारा में उग्र सुधारवादी दृष्टिकोण की दिशा में बढ़ने से परिलक्षित हुआ था।

77. **(c)**

व्याख्या: असम सरकार के कनिंघम सर्कुलर ने 1930 में छात्रों के लिए स्वतंत्रता आंदोलन से संबद्ध राजनीतिक गतिविधियों में भागीदारी को निषिद्ध कर किया। छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए अच्छे व्यवहार का आश्वासन प्रदान करना अनिवार्य था। कुख्यात 'कनिंघम सर्कुलर' के विरूद्ध छात्रों के नेतृत्व में एक सशक्त आंदोलन आरंभ किया गया था।

78. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect, Sardar Patel advised rebellion to surrender and after the 3rd upsurge they heeded to his discretion.
- Statement 2 is also incorrect, Gandhi wrote in his periodical Harijan that, if they mutinied for freedom of India they were doubly wrong, further he brought in Tilak's concept of Swaraj and reiterated that, swarj cant be obtained by what is going on now in Bombay, Calcutta and Karachi.
- Statement 3 is correct, muslim ratings went to the league to seek advices on the future action, Jinnah advised them to surreneder themselves to the authority.

79. **(d)**

Exp: Non-cooperation programme was first launched by the Khilafat committee and later supported by Congress at its special session in Calcutta. It professed a boycott of legislative councils, schools, colleges, law courts, official titles, hounours and foreign cloth, till the Punjab and Khilafat wrongs were undone and till Swaraj was attained.

80. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct - The British policy of consciously attempting to use communalism to turn the Muslims against the Swadeshi Movement was to a large extent responsible for this. This was the period when the All India Muslim League was set up with the active guidance and support of the Government. More specifically, in Bengal, people like Nawab Salimullah of Dacca were propped up as centres of opposition to the Swadeshi Movement. Mullahs and maulvis were pressed into service and, unsurprisingly, at the height of the Swadeshi Movement communal riots broke out in Bengal.
- Statement 2 is correct: The use of traditional popular customs, festivals and institutions for mobilizing the masses-a technique used widely to generate mass movements, especially in the initial stages-was misinterpreted and distorted by communalists backed by the state.
- Statement 3 is not correct because British never assured any land reforms and infact Muslim league which supported the partition was predominantly led by rich zamindars and rulers which were against any sort of reform in land ownership.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

78. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है। सरदार पटेल ने विद्रोहियों को आत्मसमर्पण करने की सलाह दी थी।
- कथन 2 भी गलत है। गांधीजी ने अपने सामयिक पत्र हरिजन में लिखा कि यद्यपि उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए विद्रोह किया था फिर भी वे गलत थे। आगे उन्होंने स्वराज के संबंध में मिल की अवधारणा को प्रस्तुत किया एवं दोहराया कि बाम्बे, कलकत्ता और कराची में अभी हो रहा है, उससे स्वराज नहीं प्राप्त किया जा सकता।
- कथन 3 सही है। मुस्लिम सदस्य भावी कार्रवाई के संबंध में परामर्श प्राप्त करने के लिए लीग के पास गए। जिन्ना ने उन्हें स्वयं को प्राधिकारणों के सामने आत्मसमर्पण करने की सलाह दी।

79. **(d)**

व्याख्या: असहयोग आंदोलन का कार्यक्रम सबसे पहले खिलाफत समिति द्वारा आरम्भ किया गया था और बाद में कांग्रेस द्वारा कलकत्ता में अपने सत्र में इसका समर्थन किया गया था। इसने पंजाब और खिलाफत की गलतियों का समाधान होने और स्वराज की प्राप्ति होने तक विधान परिषदों, विद्यालयों, कॉलेजों, न्यायालयों, आधिकारिक उपाधियों, प्रशस्ति–पत्रों एवं विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार की घोषणा की।

80. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। मुसलमानों को स्वदेशी आंदोलन के विरूद्ध करने हेतु सांप्रदायिकता का उपयोग करने की ब्रिटिश नीति काफी हद तक इसके लिए उत्तरदायी थी। यह वह अवधि थी जब सरकार के सक्रिय मार्गदर्शन और समर्थन के साथ ऑल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना की गई थी। विशेष रूप से बंगाल में, ढाका के नवाब सलीमुल्लाउह जैसे लोग स्वदेशी आंदोलन के विरोध के केंद्र के रूप में खड़े किए गए। मुल्ला और मौलवियों को दबाव देकर सेवा में लगाया गया और आश्चर्य की बात नहीं कि स्वदेशी आंदोलन के चरम समय पर बंगाल में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे।
- कथन 2 सही है। आम जनता को लामबंद करने के लिए पारंपरिक लोकप्रिय रीति–रिवाजों, त्यौहारों और संस्थानों के उपयोग की (जो जन आंदोलन खड़ा करने के लिए, विशेष रूप से प्रारंभिक चरण के दौरान व्यापक रूप से प्रयुक्त तकनीक थी) गलत व्याख्या की गई और जिसे राज्य द्वारा समर्थित सांप्रदायिक लोगों द्वारा विकृत कर दिया गया।
- कथन 3 सही नहीं है, क्योंकि अंग्रेजों ने कभी भी किसी भी भूमि–सुधार का आश्वासन नहीं दिया था और वास्तव में मुस्लिम लीग (जिसने विभाजन का समर्थन किया था) का नेतृत्व मुख्य रूप से संपन्न जमींदार और शासक कर रहे थे जो भूस्वामित्व में किसी भी प्रकार के सुधार के विरूद्ध थे।

81. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct- as British policy in 1946 clearly indicated for a united India, The British preferred a united Indian subcontinent that could be a strong ally in commonwealth nation. Cabinet Mission was of the opinion that Pakistan was not viable and that the minorities' autonomy must somehow be safeguarded within the framework of a united India.
- Statement 2 is incorrect as the provinces and princes were not given the option to be independent that may lead to Balkanisation of India. They were given freedom to enter either with the successor government or with British government but not an independent unit.
- Statement 3 is correct. Based on the recommendations of Cabinet Mission Plan, elections were held to form Constituent Assembly for drafting a new Constitution.

82. **(c)**

Exp: Frightened by the spread of socialist and communist ideas and influence and believing that the crucial role in this respect was being played by British and other foreign agitators sent to India by the Communist International, the Government proposed to acquire the power to deport 'undesirable' and 'subversive' foreigners by introducing Public Safety Bill, 1928. Hence option (c) is the correct answer.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

81. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है क्योंकि 1946 में ब्रिटिश नीति ने स्पष्ट रूप से अविभाजित भारत का संकेत कर दिया था। अंग्रेज संयुक्त या अविभाजित भारतीय उपमहाद्वीप को प्राथमिकता देते थे क्योंकि यह राष्ट्रमंडल में सशक्त सहयोगी देश हो सकता था। कैबिनेट मिशन के विचार में पाकिस्तान व्यवहार्य नहीं था और उसकी राय यह भी थी कि अलपसंख्यकों की स्वायत्तता की किसी भी प्रकार से संयुक्त भारत के ढांचे में ही रक्षा की जानी चाहिए।
- कथन 2 गलत है क्योंकि प्रांतों और रियासतों को स्वतंत्र रहने का विकल्प नहीं दिया गया था क्योंकि इससे भारत बाल्कन प्रदेश जैसा बन सकता था। उन्हें दो में से एक उत्तराधिकारी सरकार में प्रवेश करने या ब्रिटिश सरकार के साथ बने रहने की स्वतंत्रता दी गई, लेकिन स्वतंत्र इकाई बने रहने की नहीं।
- कथन 3 सही है। कैबिनेट मिशन योजना की अनुशंसाओं के आधार पर नए संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए संविधान सभा के गठन के लिए चुनावों का आयोजन किया गया।

82. **(c)**

व्याख्या: समाजवादी और साम्यवादी विचारों के प्रसार और प्रभाव से भयभीत होकर और यह मानकर कि इस संबंध में अहम भूमिका कम्युनिस्ट इंटरनेशनल द्वारा भारत भेजे गए अंग्रेज और अन्य विदेशी आंदोलनकारी निभा रहे थे, सरकार ने सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक, 1928 प्रस्तुत करके 'अवांछनीय' और 'विध्वंसक' विदेशियों को निर्वासित करने की शक्ति प्राप्त करने का प्रस्ताव किया। इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।

83. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Agitations against the entry of the Indians were launched by native American labourers and these were supported by politicians looking for the popular vote. White labour force and unions resented the competition they offered.
- Statement 2 is correct. The Secretary of State for India urged for restrictions on immigration. For one, he believed that the terms of close familiarity of Indians with Whites which would inevitably take place in America was not good for British prestige; it was by prestige alone that India was held and not by force.
- Statement 3 is correct. He was further worried that the immigrants would get contaminated by socialist ideas, and that the racial discrimination to which they were bound to be subjected would become the source of nationalist agitation in India.' The combined pressure resulted in an effective restriction on Indian immigration into Canada in 1908.

84. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. The Government conceded the right to make salt for personal consumption, not commercial sale.
- Statement 2 is correct. The Congress suspended the Civil Disobedience Movement and agreed to take part in the 2nd round table conference. The third round table conference was held much later during the 2nd phase of Civil disobedience movement. Hence statement 3 is incorrect.

85. **(b)**

Exp: The Swarajists like C.R. Das and Motilal Nehru wanted to end the boycott to legislative councils and to use them as platforms for nationalist movement after the suspension of the Non Cooperation movement. Whereas the No Changers like Sardar Vallabhai Patel, Dr. Ansari and others opposed Council entry as they felt it would lead to neglect of Constructive work among the masses.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

83. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। भारतीयों के प्रवेश के विरूद्ध एक आंदोलन देशी अमेरिकी मजदूरों द्वारा आरंभ किया गया था और लोकप्रिय वोटों की चाह रखने वाले नेताओं द्वारा इनका समर्थन भी किया गया था। श्वेत श्रम शक्ति और यूनियनें भारतीयों द्वारा प्रस्तुत प्रतियोगिता का विरोध करती थीं।
- कथन 2 सही है। भारत के राज्य ने आप्रवासन पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था क्योंकि उनका मानना था कि श्वेतों के साथ भारतीयों के निकट परिचय की स्थितियां जो अनिवार्य रूप से अमेरिका में होंगी, ब्रिटिश प्रतिष्ठा के लिए अच्छी नहीं होगी; केवल प्रतिष्ठा द्वारा न कि बल द्वारा भारत को गिरफ्त में रखा गया था।
- कथन 3 सही हैं वह आगे इस बात से चिंतित थे कि आप्रवासी समाजवादी विचारों और नस्लीय भेदभाव से दूषित हो जाएंगे क्योंकि वे इसके लिए बाध्य थे और अगर ऐसा हुआ तो यह भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन का स्त्रोत बन जाएगा। संयुक्त दबाव का परिणाम 1908 में कनाडा में भारतीय आप्रवासन पर प्रभावी प्रतिबंध के रूप में सामने आया।

84. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। सरकार ने निजी उपभोग के लिए, न कि वाणिज्यिक बिक्री के लिए नमक बनाने का अधिकार स्वीकार किया।
- कथन 2 सही है। कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा आंदोलन **स्थगित** कर दिया और **दूसरे** गोल मेज सम्मलेन में भाग लेने हेतु सहमति जताई। तीसरा गोलमेज सम्मेलन सविनय अवज्ञा आंदोलन के द्वितीय चरण के दौरान बहुत बाद में आयोजित किया गया था इसलिए कथन 3 गलत है।

85. **(b)**

व्याख्या: सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू जैसे स्वराजवादी असहयोग आंदोलन के स्थगन के बाद विधान परिषदों के बहिष्कार को समाप्त कर उनका राष्ट्रवादी आंदोलन के लिए एक मंच के रूप में उपयोग करना चाहते थे। जबकि सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ अंसारी और अन्य परिवर्तन विरोधियों (नो चेंजर्स) ने परिषदों में प्रवेश का विरोध किया क्योंकि उनका मानना था कि इससे आम जनता के बीच रचनात्मक कार्यों की उपेक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा।

86. **(d)**

Exp:

- Statement d is correct - by 1942 Japan had occupied Rangoon. Britain now desperately wanted India's cooperation in the war efforts and hence in Mar 1942, a mission headed by Sir Stafford Cripps was sent to India.
- Statements a, b and c are incorrect. No committee was formed for the stated purposes.

87. **(b)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect: The Montagu-Chelmsford reforms introduced Dyarchy at the provincial level, with reserved and transferred subject. The reserved subjects like finance and law and order remained under the control of Governor, administered through bureaucracy. The transferred subjects were brought under the control of ministers responsible to the legislatures.
- Statement 2 is correct: It introduced bicameral legislature at the centre i.e. two houses of legislature. Lower house was the legislative assembly and the upper house was the council of state.
- Statement 3 is incorrect: At the central level, the legislature had no control over Governor General and his executive council.

88. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is correct. A.O. Hume was a retired civil servant and a man of high ideals so that his presence in INC would have helped in escaping any kind of hostility at such an early stage. They assumed that the rulers would be less suspicious and less likely to attack a potentially subversive organization if its chief organizer was a retired British civil servant.
- Statement 2 is correct. There were very few people that time who were familiar with western political and liberal ideologies and the tradition of open opposition to the rulers was not yet firmly entrenched.

General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations
General Studies RACE IAS Rajesh Academy for Civil Examinations

86. **(d)**

व्याख्या:

- विकल्प d सही उत्तर है– 1942 तक जापान ने रंगून पर कब्जा कर लिया था। ब्रिटेन अब व्यग्रता से युद्ध प्रयासों में भारत का सहयोग चाहता था और इसलिए मार्च 1942 में, सर स्टैफोर्ड क्रिप्स की अध्यक्षता में एक मिशन भारत भेजा गया।
- विकप्ल a, b और c गलत हैं। कथित प्रयोजन के लिए कोई समिति नहीं बनाई गई थी।

87. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: मांटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधारों ने प्रांतीय स्तर पर **आरक्षित** और **हस्तांतरित** विषयों के साथ दोहरा शासन आरंभ किया। वित्त और कानून व्यवस्था जैसे आरक्षित विषय गवर्नर के नियंत्रण के अंतर्गत बने रहे, जिसका प्रशासन नौकरशाही के माध्यम से किया जाना था। हस्तांतरित विषय विधायिका के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों के नियंत्रण में लाए गए।
- कथन 2 सही है: इसने केंद्र में द्विसदनीय विधायिका अर्थात् विधायिका के दो सदन प्रचलित किए। विधान सभा निम्न सदन थी और राज्य परिषद के ऊपरी सदन था।
- कथन 3 गलत है: केंद्रीय स्तर पर, विधायिका का गवर्नर जनरल और उसकी कार्यकारी परिषद् पर कोई नियंत्रण नहीं था।

88. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। ए. ओ. ह्यूम सेवानिवृत्त सिविल सेवक और इतने उच्च आदर्शों वाले व्यक्ति थे कि INC में उनकी उपस्थिति से इस प्रकार के प्रारंभिक चरण में किसी भी प्रकार की शत्रुता से बचने में सहायता मिलती। उनका मानना था कि यदि इसका मुख्य आयोजक एक सेवानिवृत्त ब्रिटिश सिविल सेवक होगा तो निश्चित ही शासकगण इस पर कम संदेह करेंगे और संभावित रूप से विध्वंसक संगठन पर हमला करने की कम संभावना रहेगी।
- कथन 2 सही है। उस समय ऐसे बहुत कम लोग थे जो पश्चिमी राजनीतिक और उदार विचारधारा से परिचित थे और शासकों के प्रति खुले विरोध की परंपरा अभी तक मजबूती से जम नहीं पाई थी।

89. **(b)**

Exp: The Bombay Plan is the name commonly given to a World War II era set of proposals the development of the Post-Independence economy of India. Titled "A Brief Memorandum Outlining a Plan of Economic Development for India", the signatories of the Plan were Jehangir Ratanji Dadabhoy Tata, Ghanshyam Das Birla, Ardeshir Dalal, Sri Ram, Kasturbhai Lalbhai, Ardeshir Darabshaw Shroff, Sir Purshottamdas Thakurdas and John Mathai.

90. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. In May, 1939, Subhash Bose and his followers formed the Forward Bloc as a new party within the Congress.
- Statement 2 is incorrect. Bose declared All India protest against an AICC resolution. This attracted disciplinary action not his move to form Forward Bloc. Also he was not ousted from party. He was removed from Bengal Provincial Congress Committee and was debarred from holding any office in Congress for 3 years.

91. **(d)**

Exp:

- Statements 1, 2 and 3 are correct as: Their weakness lay in their lack of preparedness. They had underestimated the might of British. Also Lala Hardayal though a propagandist and inspirer, was not adept at organizing a movement at that scale. Their organizational structure was also weak.
- Statement 4 is not correct. Though a majority of the leaders of the Ghadar Movement, and most of the participants were drawn from among the Sikhs, the ideology that was created and spread through the Ghadar and other publications was strongly secular in tone.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

89. **(b)**

व्याख्याः बॉम्बे योजना द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत की स्वातांत्रोत्तर अर्थव्यवस्था के विकास हेतु प्रस्तावों के समूह को दिया गया एक सामान्य नाम था। इसका शीर्षक "भारत के आर्थिक विकास की योजना की रूपरेखा देने वाला संक्षिप्त ज्ञापन" था, इस योजना के हस्ताक्षरकर्ता जहांगीर रतनली दादाभाई टाटा, घनश्याम दास बिड़ला, आर्देशिर दलाल, श्री राम, कस्तूरभाई लालभाई, आर्देशिर दराबशॉ श्रॉफ, सर पुरूषोत्मदास ठाकुरदास और जॉन मथाई थे।

90. **(a)**

व्याख्याः

- कथन 1 सही है। मई, 1939 में सुभाष बोस और उनके अनुयायियों ने कांग्रेस के भीतर एक नई पार्टी के रूप में फारवर्ड ब्लाक का गठन किया।
- कथन 2 गलत है। बोस ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक प्रस्ताव के विरूद्ध अखिल भारतीय विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। इसी से अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई न कि फॉरवर्ड ब्लॉक के गठन के उनके कदम के कारण। इसके साथ ही उन्हें पार्टी से नहीं निकाला गया था। उन्हें बंगाल प्रांतीय कांग्रेस कमेटी से निकाला गया था और 3 साल तक कांग्रेस में कोई भी पद धारण करने से वंचित कर दिया गया था।

91. **(d)**

व्याख्याः

- कथन 1, 2 और 3 सही हैं क्योंकिः उनकी कमजोरी उनकी तैयारी की कमी में निहित थी। उन्होंने अंग्रेजों की शक्ति कम आंकी। इसके साथ ही लाला हरदयाल प्रचारक और प्रेरक होते हुए भी, इतने बड़े पैमाने पर आंदोलन का संगठन करने में निपुण नहीं थे। उनकी संगठनात्मक संरचना भी कमजोर थी।
- कथन 4 सही नहीं है। हालांकि गदर आंदोलन के अधिकांश नेता और अधिकांश प्रतिभागी सिख थे, लेकिन गदर के माध्यम से सृजित और प्रसारित विचारधारा और अन्य प्रकाशन दृढ़ता से धर्मनिरपेक्ष थे।

92. **(c)**

Exp:

- Statement 1 is incorrect. The Harijan campaign aimed at root and branch eradication of untouchability practice. It was launched by Gandhiji post signing of Poona Pact in 1932. Non Cooperation Movement was during 1919 to 1922.
- Statement 2 is incorrect as Gandhiji actively supported the activities of Harijan Sewak Sangh and even collected donations for the same.
- Statement 3 is correct. Gandhiji gave utmost respect to traditional literature and shastras but if it propagated the untouchability practice, it was to be contradicted in every means.

93. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct: All-India Kisan Congress was established in Lucknow in April 1936 which later changed its name to the All India Kisan Sabha. Swami Sahajanand, the militant founder of the Bihar Provincial Kisan Sabha (1929), was elected the President, and N.G. Ranga, the pioneer of the Kisan Movement in Andhra and a renowned scholar of the agrarian problem, the General Secretary.
- Statement 2 is correct: The first session was greeted in person by Jawaharlal Nehru. Other participants included Ram Manohar Lohia, Sohan Singh Josh, Indulal Yagnik, Jayaprakash Narayan, Mohanlal Gautam, Kamal Sarkar, Sudhin Pramanik and Ahmed Din.
- Statement 3 is correct: A Kisan Manifesto was finalized at the All-India Kisan Committee session in Bombay and formally presented to the Congress Working Committee to be incorporated into its forthcoming manifesto for the 1937 elections. The Kisan Manifesto considerably influenced the agrarian programme adopted by the Congress at its Faizpur session, which included demands for fifty per cent reduction in land revenue and rent, a moratorium on debts, the abolition of feudal levies, security of tenure for tenants, a living wage for agricultural labourers, and the recognition of peasant unions.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

92. **(c)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है। हरिजन अभियान का उद्देश्य छुआछूत की प्रथा का जड़ से उन्मूलन करना था। इसे 1932 में पूना समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद गांधीजी द्वारा आरंभ किया गया था। असहयोग आंदोलन 1919 से 1922 के दौरान चला था।
- कथन 2 गलत है क्योंकि गांधीली ने सक्रिय रूप से हरिजन सेवक संघ की गतिविधियों का समर्थन किया था और यहां तक कि उसके लिए दान भी एकत्र किया था।
- कथन 3 सही है। गांधीजी पारंपरिक साहित्य और शास्त्रों को अत्यंत सम्मान देते थे, लेकिन यदि उनके द्वारा छुआछूत की प्रथा का प्रचार हो, तो इसका हर अर्थ में विरोध किया जाना था।

93. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: अखिल भारतीय किसान महासभा की स्थापना अप्रैल 1936 में लखनऊ में हुई थी। जिसने आगे चलकर अपना नाम बदल कर अखिल भारतीय किसान सभा कर लिया। बिहार प्रांतीय किसान सभा (1929) के जुझारू संस्थापक स्वामी सहजानंद को अध्यक्ष और आंध्र में किसान आंदोलन के अग्रणी और कृषि समस्या के प्रसिद्ध विद्वान एन. जी. रंगा को महासचिव निर्वाचित किया गया।
- कथन 2 सही है: पहले सत्र की अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू द्वारा की गई थी। अन्य प्रतिभागी राम मनोहर लोहिया, सोहन सिंह जोश, इंदुलाल याग्निक, जयप्रकाश नारायण, मोहनलाल गौतम, कमल सरकार, सुधिन प्रमाणिक और अहमद दीन थे।
- कथन 3 सही है: मुंबई में अखिल भारतीय किसान समिति के सत्र में एक किसान घोषणापत्र को अंतिम रूप दिया गया और औपचारिक रूप से 1937 के चुनावें के लिए कांग्रेस के आगामी घोषणा पत्र में सम्मिलित किए जाने हेतु कांग्रेस कार्य समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। किसान घोषणापत्र ने अपने फैजपुर सत्र में कांग्रेस द्वारा अपनाए गए कृषि कार्यक्रम को काफी प्रभावित किया था, जिसमें भू–राजस्व और लगान में पचास प्रतिशत कटौती, ऋणस्थ गन, सामंती उदग्रहणों के उन्मूलन, काश्त कारों के लिए काश्त की सुरक्षा, कृषि श्रमिकों के लिए निर्वाह योग्य मजदूरी और किसान यूनियनों की मान्यता की मांगें सम्मिलित थीं।

94. **(b)**

Exp:

- Statement 1 was incorrect: Gandhiji asked government servents to openly declare their alligiance to the congress and not to resign.
- Statement 2 was incorrect: Gandhiji asked the soldiers to refuse to fire on their own people and not to leave their posts.
- Statement 3 is correct: Gandhiji asked the princes of the Princely states to accept the sovereignty of their own people.

95. **(d)**

Exp: The defence of the INA prisoners was taken up by the Congress. Bhulabhaj Desai, Tej Bahadur Sapru, K.N. Katju, Nehru and Asaf Ali appeared in court at the historic Red Fort trials.

96. **(a)**

Exp:

- Pair 1 is correct as the Indian states committee or Butler committee in 1927 was appointed to investigate and clarify the relationship between the paramount power and the Princes.
- Pairs 2 and 3 are incorrect. While Hunter Committee was formed to enquire the Punjab wrongs and actions of general Dyer, Hartog Committee was constituted in 1929 to assess the state of education.

97. **(d)**

Exp:

- Statement 1 is correct: World war invovling mutual struggle between the imperial powers destroyed the myth of racial superiority.
- Statement 2 is correct: The war led to increased misery among the poorer classes of Indians. For them the War had meant heavy taxation and soaring prices of the daily necessities of life. They were getting ready to join any movement of protest.
- Statement 3 is correct: The mass agitation could not be carried out under the leadership of the Indian National Congress, which had become, under moderate leadership, a passive and inert political organisation with no political work among the people to its credit. Therefore, two Home Rule Leagues were started in 1915-16, under the leadership of Annie Besant and Lokamanya Tilak.

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations
RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

94. **(b)**

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: गांधीजी ने सरकारी सेवकों से खुले तौर पर कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा घोषित करने के लिए कहा था न कि त्यागपत्र देने के लिए।
- कथन 2 गलत है: गांधीजी ने सैनिकों से अपने ही लोगों पर गोलीबारी करने से मना करने न के अपना पद छोड़ने के लिए कहा था।
- कथन 3 सही है: गांधीजी ने रियासतों के राजाओं से अपने लोगों की संप्रभुता स्वीकार करने के लिए कहा था।

95. **(d)**

व्याख्या: आई.एन.ए. युद्धबंदियों का कांग्रेस द्वारा बचाव किया गया था। भूलाभाई देसाई, तेज बहादुर सप्रू, के. एन. काटजू, नेहरू और आसफ अली ऐतिहासिक लाल किले के मुकदमें में न्यायालय में उपस्थिति हुए थे।

96. **(a)**

व्याख्या:

- युग्म 1 सही सुमेलित है क्योंकि सर्वोच्च सत्ता और राजाओं के बीच संबंधों की जांच और स्पष्टीकरण के लिए 1927 में भारतीय रियासत समिति या बटलर समिति नियुक्त की गई थी।
- युग्म 2 और 3 सही सुमेलित नहीं हैं। जहां पंजाब की गलतियों और जनरल डायर की कार्रवाई की जांच करने के लिए हंटर समिति का गठन किया गया था, वहीं शिक्षा की स्थिति का आंकलन करने के लिए 1929 में हार्टोग समिति का गठन किया गया था।

97. **(d)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: शाही ताकतों के बीच आपसी संघर्ष वाले विश्व युद्ध ने नस्लीय श्रेष्ठता के मिथक को नष्ट कर दिया।
- कथन 2 सही है: इस युद्ध के फलस्वरूप भारतीयों के गरीब वर्गों का कष्ट बढ़ गया। उनके लिए युद्ध का मतलब था बहुत ज्यादा कर और रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों में वृद्धि। वे विरोध से संबंधित किसी भी आन्दोलन से जुड़ने के लिए तैयार हो रहे थे।
- कथन 3 सही है: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर आन्दोलन नहीं चलाया जा सका। यह नरमपंथी नेतृत्व में एक निष्क्रिय और अक्रिय राजनीतिक संगठन बनकर रह गया था जिसके लोग कोई राजनीतिक कार्य नहीं कर रहे थे। इसलिए, एनी बेसेंट और लोकमान्य तिलक के नेतृत्व में 1915–16 में दो होम रूल लीग की शुरूआत की गई।

98. **(a)**

Exp:

- Statement 1 is correct. Seven Indians, headed by M.N. Roy, met at Tashkent in October 1920 and set up a Communist Party of India.
- Statement 2 is incorrect. The CPI called upon all its members to enroll themselves as members of the Congress, form a strong left-wing in all its organs, cooperate with all other radical nationalists, and make an effort to transform the Congress into a more radical mass-based organization.

99. **(c)**

Exp: The Karachi session of 1931 became memorable for its resolution on Fundamental Rights. The resolution guaranteed the basic civil rights of free speech, free press, free assembly, and freedom of association; equality before the law irrespective of caste, creed or sex; neutrality of the state in regard to all religions; elections on the basis of universal adult franchise; and free and compulsory primary education.

100. **(c)**

Exp:

- Pair 1: Correct, On 8 August 1940, the Viceroy of India, Lord Linlithgow, made the August Offer, a fresh proposal promising the expansion of the Executive Council to include more Indians, the establishment of an advisory war council, giving full weight to minority opinion, and the recognition of Indians' right to frame their own constitution (after the end of the war). In return, it was hoped that all parties and communities in India would cooperate in Britain's war effort.
- Pair 2: Correct. The Simla Conference 1945 was a meeting between the Viceroy and the major political leaders of British India at Simla, convened to agree on and approve the Wavell Plan for Indian selfgovernment.
- Pair 3: Correct, first time the decision to launch the struggle was taken at meeting at wardha on july 1942, but the august meeting at Gowalia tank in bombay witnessed ratification of the decision, where Gandhi adressed the crowd and raised the slogan "Do or Die".

RACE IAS General Studies Rajesh Academy for Civil Examinations

98. **(a)**

व्याख्या:

- कथन 1 सही है। एम.एन.रॉय की अध्यक्षता में सात भारतीय, अक्टूबर 1920 में ताशकंद में मिले और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया या सीपीआई) की स्थापना की।
- कथन 2 गलत है। सी.पी.आई. ने अपने सभी सदस्यों को कांग्रेस के सदस्य के रूप में स्वयं को नामांकित करने के लिए, अपने सभी अंगों में एक मजबूत वामपंथ का निर्माण करने के लिए, अन्य सभी कट्टरपंथी राष्ट्रवादियों के साथ मिलकर काम करने के लिए, और कांग्रेस को एक अधिक कट्टरपंथी जन–आधारित संगठन में रूपांतरित करने के प्रयास करने के लिए उनका आह्वान किया।

99. **(c)**

व्याख्या: 1931 का कराची अधिवेशन मौलिक अधिकारों से संबंधित अपने प्रस्ताव के लिए यादगार बन गया। इस प्रस्ताव में मुक्त भाषण, स्वतंत्र प्रेस, स्वतंत्र सम्मलेन, और संगठन बनाने की स्वधीनता; जाति, नस्ल या लिंग की पहवाह किए बिना क़ानून के समक्ष समानता; सभी धर्मों से राज्य की तटस्थता; सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव; और मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा के मूल नागरिक अधिकारों की गारंटी दी गई।

100. **(c)**

व्याख्या:

- युग्म 1 सही सुमेलित है, 8 अगस्त 1940 को, भारत के वायसराय, लार्ड लिनलिथगो ने अगस्त प्रस्ताव नामक एक नया प्रस्ताव सामने रखा जिसके तहत और अधिक भारतीयों को सम्मिलित करते हुए कार्यकारी परिषद् का विस्तार करने, एक सलाहकारी युद्ध परिषद् की स्थापना करने, अल्पसंख्यकों की राय को भरपूर महत्व देने, और अपना खुद का संविधान (युद्ध समाप्त होने के बाद) बनाने के लिए भारतीयों के अधिकार को मान्यता देने का वादा किया गया। बदले में, यह उम्मीद की गई कि भारत की सभी पार्टियाँ और समुदाय, ब्रिटेन युद्ध प्रयास में सहयोग करेंगे।
- युग्म 2 सही सुमेलित है: शिमला सम्मलेन 1945 वस्तुतः शिमला में वायसराय और ब्रिटिश इंडिया के प्रमुख राजनीतिक नेताओं के बीच हुई एक बैठक थी जो भारतीय स्वशासन के लिए वैवेल योजना पर सहमति व्यक्त करने और मंजूरी देने के लिए बुलाई गई थी।
- युग्म 3 सही सुमेलित है, संघर्ष आरंभ करने का फैसला, सबसे पहली बार जुलाई 1942 में वर्धा में एक बैठक में लिया गया था लेकिन बम्बई में ग्वालिया टैंक में अगस्त बैठक में इस फैसले का अनुसमर्थन किया गया जहाँ गांधीजी ने भीड़ को संबोधित करते हुए "करो या मरो" का नारा दिया।